हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

UPHIN50812

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 01, अंकः-316, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शनिवार 04 मई 2024

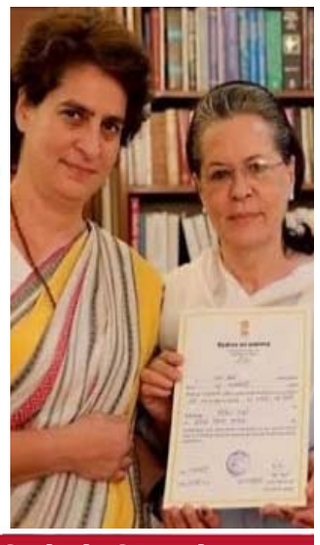

अडीग राजवाह पर अज्ञात युवती का अधजला शव मिलने से...02

पोलिंग पर्सन को प्रशिक्षण में विभिन्न परिस्थितियों से निपटने...06

संक्षिप्त समाचार

राहुल ने रायबरेली सीट से नामांकन दाखिल किया

रायबरेली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली लोकसभा सीट के लिये अपना नामांकन दाखिल किया। श्री गांधी ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उनकी मां सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहे। गौरतलब है कि वर्ष 1999 से श्री राहुल गांधी की मां श्रीमती सोनिया गांधी इस सीट का संसद में प्रतिनिधित्व करती रही हैं हालांकि मौजूदा लोकसभा चुनाव में उन्होने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुये चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। श्री राहुल गांधी का रायबरेली में मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिनेश प्रताप सिंह से होगा जिन्होने आज ही अपना नामांकन दाखिल किया है। इससे पहले श्री गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हार गये थे हालांकि वह केरल की वायनाड सीट से चुनाव जीत कर लोकसभा पहुंचे थे।

संविधान की प्रस्तावना से सेकुलर शब्द हटाएंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज कहा कि लोकसभा चुनाव जीतने पर भाजपा की सरकार संविधान की प्रस्तावना से सेकुलर शब्द हटा देगी। भाजपा के महासचिव दुष्यंत गौतम ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस भाजपा पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने के बेबुनियाद आरोप लगा रही है , लेकिन भाजपा का नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि संविधान और आरक्षण के साथ कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि संविधान को बदलने का पाप कांग्रेस ने किया है। संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। कांग्रेस की सरकार ने प्रस्तावना में बदलाव करके सेकुलर शब्द जोड़ दिया था। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा की नयी सरकार संविधान की प्रस्तावना से वे शब्द हटाकर उसे पुन- मूल रूप में लाएगी, श्री गौतम ने कहा, हां, पुराने रूप में लाएंगे।

भाजपा ने लोगों की जान को संकट में डाला

मैनपुरी, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने वैक्सीन लगवा कर लोगों की जान को संकट में डाल दिया है। अपनी पत्नी एवं पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव के पक्ष में किशनी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने मांग की कि भाजपा के लोगों ने जैसे फ्री वैक्सीन लगवाई वैसे ही लोगों के शरीर की जांच भी बड़े से बड़े हॉस्पिटल में फ्री में करवाएं। उन्होने कहा कि भाजपा का झूठ लोगों ने समझ लिया है अब भाजपा का पूरी तरह से सफाया होने जा रहा है। तीसरे चरण में बरेली से मैनपुरी तक हर सीट पर भाजपा हारेंगी।

चौथे चरण में 96 सीटों पर 1717 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर 1717 उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमायेंगे। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को बताया कि इस चरण में आन्ध्र प्रदेश की 25, बिहार की 5,जम्मू कश्मीर की एक, झारखंड की 4, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, ओडिशा की 4, तेलंगाना की 17, उत्तर प्रदेश की 13 और पश्चिम बंगाल की 8 सीटों के लिए चुनाव होगा। नामांकन की अंतिम तारीख 25 अप्रैल तक कुल 4264 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। नामांकन पत्रों की जांच के बाद 1970 नामांकन पत्र वैध पाए गए। तेलंगाना की 17 सीटों के लिए 525, आंध्र प्रदेश की 25 सीटों के लिए 454, महाराष्ट्र की 11 सीटों के लिए 298 और उत्तर प्रदेश की 13 सीटों के लिए 130 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

चुनाव खत्म होने पर इटली भाग जाते हैं राहुल : मुख्यमंत्री योगी

संभल, संवाददाता। रायबरेली से चुनाव रण में उतरे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान से तारीफ पाने वाले श्री गांधी चुनाव शुरु होते ही स्वार्थ का गठबंधन करते हैं और चुनाव खत्म होते ही इटली का रुख कर लेते हैं। लोकसभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी के पक्ष में वोट की अपील करते हुये श्री योगी ने कहा इंडी गठबंधन देश के हित का नहीं बल्कि स्वार्थ का गठबंधन है। देश में राहुल गांधी की कोई तारीफ नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी कर रहे हैं। यह इनका असली चेहरा है। यही नहीं देश में जब भी संकट आएगा तो सबसे पहले राहुल इटली भाग जाएंगे। इस दौरान उन्हे भारत और यहां की जनता को याद नहीं आएगी। उन्होने कहा कि जब चुनाव आते हैं तो इन्हे रामलला याद आते हैं और उत्तर प्रदेश आ धमकते हैं। राहुल चुनाव शुरू होते ही चुनावी गठबंधन करते हैं और चुनाव खत्म होते ही भाग जाते हैं। यह इनकी फितरत है। यह पांच वर्ष दिखायी नहीं देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गरीब कल्याण, भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनावी समर में आपके बीच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश का विकास हुआ है। यह सभी जानते हैं। ऐसे में निर्णय आपको लेना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और सपा का इंडी गठबंधन पिछड़ी जाति के आरक्षण को काट करके अल्पसंख्यकों को देनी की बात कहता है जबकि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे क्योंकि धर्म के आधार पर आरक्षण भारत के विभाजन का आधार बनेगा। यह स्वतंत्र भारत धर्म के आधार पर आरक्षण स्वीकार नहीं कर सकता। वहीं कांग्रेस और सपा देश का फिर से विभाजन चाहती है। वह यह जातीय जनगणना कराकर जातीय समूह में बांटकर और लड़ाकर करना चाहती है। हम आरक्षण में सेंध लगाकर किसी भी दल को ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हर नागरिक, परिवार के लोगों को जाति-मजहब और भाषा से ऊपर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यही वजह है कि पूरा देश एक स्वर में एक बार फिर से मोदी सरकार का नारा लगा रही है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। आज वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनाकर तैयार है। ऐसे ही संभल में मां केला देवी के मंदिर और धाम के विकास के लिए सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं थी। देश में आतंकवाद और नक्सलवाद सर चढ़कर बोल रहा था। इतना ही नहीं देश में विकास कार्य ठप थे और भ्रष्टाचार चरम पर था। देश की गरीब जनता को सुविधाएं नहीं मिल रही थी। वहीं 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में दुनिया में देश का सम्मान बढ़ा है। ऐसे में भारत के विकास को नया स्वरुप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बननी चाहिये। सीएम योगी ने कहा कि संभल से निकलने वाला गंगा एक्सप्रेस-वे यहां की अर्थव्यवस्था को कई गुना बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह यहां की इकोनॉमी की बैकबोन बनेगा। इसके जरिये पांच घंटे में प्रयागराज और साढ़े चार घंटे में लखनऊ पहुंचा जा सकेगा। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकार के समय लोग भूखे मरते थे। आज 80 करोड लोग को फ्री में राशन की सुविधा दी जा रही है। ऐसे में आप सभी को पहले मतदान फिर जलपान के नारे के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। कार्यक्रम में एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री गुलाब देवी, जसवंत सैनी, सरदार बलदेव औलख, बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह, जिला प्रभारी हेमंत राजपूत, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल आदि उपस्थित थे।

मेरे अंगने में तुम्हारा क्या... आंवला में सपा कांग्रेस पर मुख्यमंत्री योगी ने ली चुटकी

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को फरीदपुर के रामलीला मैदान पर जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। राम मंदिर का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि जो कभी नहीं हुआ, वो अब हुआ है। रामलला का भव्य मंदिर बन गया है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर सपा, बसपा और कांग्रेस के लोग बना पाते क्या? ये लोग बोलते थे कि राम थे ही नहीं। जब राम मंदिर बन गया तो बोलते हैं राम सबके हैं। इन लोगों का दोहरा चरित्र है। चुनाव जब आएगा, तब आपके पास आएंगे। चुनाव के बाद पहचानेंगे भी नहीं नहीं। वह फिल्मी गाना है, मेरे अंगने में तुम्हारा क्या..., यही बोलेंगे। सपा, बसपा और कांग्रेस के लोग झूठ बहुत बोलते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले दुनिया में सम्मान नहीं था। आतंकवादी गतिविधियां बढ़ रही थीं। बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। लोग भूख से मरते थे। किसान आत्महत्या करता था।

कांग्रेस के सत्ता में आने पर किसानों का सारा कर्जा होगा माफ

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) की उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने कहा है कि कांग्रेस जो भी वायदा करती है, कहती है, उसे पूरा करती है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह जुमले नहीं छोड़ती और कांग्रेस की सरकार आने पर किसानों का सारा कर्जा माफ किया जायेगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों को किसानी-बचानी के लिये एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जायेगा। मजदूरों के लिये मनरेगा की मजदूरी प्रतिदिन 400 रुपये दी जायेगी। सुश्री सैलजा शुक्रवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव बोस्ती में एक सभा को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आज लड़ाई संविधान बचाने की है, किसी को भी भ्रष्ट कहकर उस पर एजेंसियों की चाबुक चलाई जाती है, जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये जाते हैं, अगर वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो जाये, तो वह दूध का धुला हो जाता है। उन्होंने कहा कि गरीब के साथ मजाक किया जाता है, पांच किलोग्राम गेहूं देकर किसी की गरीबी दूर नहीं होती।

कोवीशील्ड पर सवालों के बीच भारत बायोटेक बोला, कोवैक्सिन सुरक्षित

ये अकेली वैक्सीन जिसका ट्रायल भारत में हुआ, लोगों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड पर उठ रहे सवालों के बीच कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने कहा है कि हमारी वैक्सीन सुरक्षित है। इसे बनाते समय हमारी पहली प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा थी और दूसरी प्राथमिकता वैक्सीन की गुणवत्ता थी। भारत बायोटेक ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में ये बातें कहीं। कंपनी ने कहा कि कोवैक्सिन भारत सरकार के कोविड-19 वैक्सीन प्रोग्राम की इकलौती वैक्सीन थी, जिसके ट्रायल भारत में हुए थे। कंपनी के मुताबिक, लाइसेंस पाने की प्रक्रिया के तहत कोवैक्सिन का 27 हजार लोगों पर ट्रायल किया गया था। इसे क्लिनिकल ट्रायल मोड के तहत सीमित इस्तेमाल के लिए लाइसेंस दिया गया था, जहां हजारों लोगों पर इसका ट्रायल किया गया था। दरअसल, कोवीशील्ड को लेकर विवाद चल रहा है कि इसे लगाने से कुछ केस में लोगों को थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है। स्ट्रोक और हार्ट बीट थमने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। कंपनी ने कहा कि कोवैक्सिन की सुरक्षा का मूल्यांकन देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया था। कोवैक्सिन बनाने से लगाने तक लगातार इसकी सेफ्टी मॉनिटरिंग की गई थी। कोवैक्सिन के ट्रायल से जुड़ी सभी स्टडीज और सेफ्टी फॉलो-अप एक्टिविटीज से कोवैक्सिन का बेहतरीन सेफ्टी रिकॉर्ड सामने आया है। अब तक कोवैक्सिन को लेकर ब्लड क्लॉटिंग, थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया, टीटीएस, वीआईटीटी, पेरिकार्डिटिस, मायोकार्डिटिस जैसी किसी भी बीमारी का कोई केस सामने नहीं आया है। कंपनी ने कहा कि अनुभवी इनोवेटर्स और प्रोडक्ट डेवलपर्स के तौर पर भारत बायोटेक की टीम यह जानती थी कि कोरोना वैक्सीन का प्रभाव कुछ समय के लिए हो सकता है, पर मरीज की सुरक्षा पर इसका असर जीवनभर रह सकता है।

केरल, दक्षिण तमिलनाडु के तटीय हिस्सों में समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी

तिरूवनंतपुरम, एजेंसी। केंद्रीय एजेंसियों ने केरल और दक्षिण तमिलनाडु के तटीय इलाकों में मछुआरों एवं स्थानीय निवासियों के लिए इस बारे में एक 'रेड अलर्ट' जारी किया है कि शनिवार और रविवार को समुद्र में ऊंची लहरी उठ सकती हैं। समुद्र में अचानक ऊंची लहरें उठने की इस परिघटना को 'कल्लक्कड़ल' नाम से जाना जाता है। अधिकारियों ने यहां बताया कि भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (आईएनसीओआईएस) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने इस चेतावनी के मद्देनजर मछुआरों और तटीय इलाकों के निवासियों से आवश्यक एहतियात बरतने का आग्रह किया है। केरल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने कहा, ''समुद्र में ऊंची लहरें उठने की एनडीएमए-आईएनसीओआईएस से चेतावनी मिली है।'' मौसम एजेंसियों ने कहा कि शनिवार तड़के ढाई बजे से रविवार रात साढ़े ग्यारह बजे की अवधि के दौरान समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि इस अवधि के दौरान काफी तेज हवा चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह सुनामी जैसी स्थिति नहीं है। इससे पहले दिन में, आईएनसीओआईएस ने कहा था कि समुद्र में 0.5 से 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठने की संभावना है। आईएनसीओआईएस, एक केंद्रीय एजेंसी है जो देश में मछुआरों को समुद्री मौसम के बारे में चेतावनी जारी करती है।

मोदी बोले, शहजादे को वायनाड से हार का डर

अमेठी से भागकर रायबरेली पहुंचे, मैं इन्हें कहूंगा- डरो मत, भागो मत

दुर्गापुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार 3 मई को पश्चिम बंगाल के बर्धमान-दुर्गापुर, कृष्णानगर और बोलपुर में सभा की। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत जय मां दुर्गा, जय मां काली और हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ की। पीएम मोदी अपनी स्पीच में मोदी पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, संदेशखाली, राम मंदिर, राम नवमी, वोट जिहाद, कांग्रेस और राहुल गांधी के रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने पर बोले। उन्होंने कहा- टीएमसी के एक विधायक कहते हैं, हिंदुओं को भागीरथी में बहा देंगे। ये कौन सी भाषा बोल रहे हैं। बंगाल सरकार ने यहां हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। प्रधानमंत्री बोले- संदेशखाली में दलित बहनों के साथ अत्याचार हो रहा था और यहां की सरकार आरोपी को बचाने में लगी हुई थी। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उसका नाम शाहजहां शेख है।

पीएम ने कहा- विपक्ष के लोग दो फेज की वोटिंग के बाद मोदी के खिलाफ वोट जिहाद कर रहे हैं। जिहाद का मतलब देश की जनता अच्छे से समझती है। प्रधानमंत्री ने राहुल पर कहा- शहजादे को वायनाड से हार का डर है, इसलिए अमेठी से भागकर रायबरेली पहुंचे। वे सबको कहते हैं- डरो मत। मैं उनसे कहता हूं- डरो मत...भागो मत। पीएम बोले- मुझे देश ने और आप सबने इतना आशीर्वाद दिया है। शायद कोई इंसान अपने जीवन में ऐसी कल्पना तक नहीं कर सकता है कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन इतने आशीर्वाद बरसाएं और लगातार बरसाएं और सालों-साल ये आशीर्वाद बढ़ता ही जा रहा है। जीवन में इससे बड़ा संतोष क्या होता है। मोदी बोले- आप भी जानते हैं अगर पद-प्रतिष्ठा की लालसा हो तो एक बार इंसान पीएम की शपथ ले ले फिर उसके जीवन में ऊंचाई को प्राप्त हो ही जाती है, इतिहास में नाम दर्ज हो ही जाता है। लोगों को लगता है कि मोदी जी 2 बार पीएम रहे दुनिया में इतना नाम हो गया, अरे कभी तो आराम करो। मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं।

मैं 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं। मोदी ने कहा- मैंने कल टीवी पर देखा कि टीएमसी के एक विधायक कह रहे थे कि हिंदुओं को 2 घंटे में भागीरथी में बहा देंगे। ये कौन सी भाषा है? बंगाल में टीएमसी की सरकार ने यहां हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। ये कैसे लोग हैं कि जय श्रीराम के उद्घोष से भी इन्हें आपत्ति है। इनको राम मंदिर के निर्माण से आपत्ति है, रामनवमी की शोभायात्रा से आपत्ति है। मोदी ने कहा- मैं टीएमसी सरकार से पूछना चाहता हूं कि यहां संदेशखाली में हमारी दलित बहनों के साथ इतना बड़ा अपराध हुआ।

उद्धव नकली शिवसेना चला रहे, असली पार्टी एकनाथ शिंदे के पास : अमित शाह

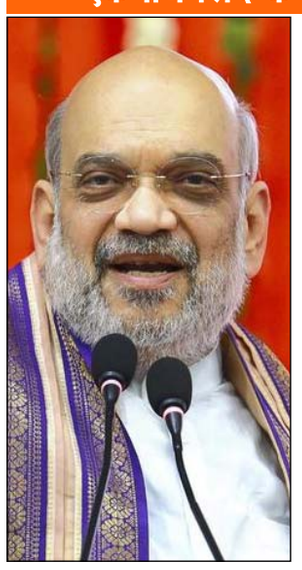

रत्नागिरि, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ''नकली'' शिवसेना का संचालन कर रहे हैं और असली पार्टी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जी की है। रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे अपने कैबिनेट सहयोगी नारायण राणे के लिए प्रचार करने के वास्ते रत्नागिरी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने का मतलब देश को सुरक्षित बनाना है। शाह ने कहा, उद्धव ठाकरे नकली शिवसेना चला रहे हैं, असली शिवसेना एकनाथ शिंदे के पास है। उन्होंने कहा कि कि ठाकरे को स्पष्ट करना चाहिए कि वह मुख्यमंत्री पद चाहते हैं या कांग्रेस और राकांपा जिन्होंने अनुच्छेद 370 का बचाव किया था। शाह ने कहा, मैं आज उद्धव जी से पूछना चाहता हूं कि आप महाराष्ट्र की जनता और बाला साहेब के अनुयायियों के सामने स्पष्ट कर दो कि आपको मुख्यमंत्री पद चाहिए या धारा 370 की संरक्षक कांग्रेस और राकांपा चाहिए।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार करने को तैयार

चुनाव के चलते 7 मई को फैसला, कहा- गिरफ्तारी पर सुनवाई में समय लग सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दो घंटे बहस हुई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है, ताकि वे कैंपेन में हिस्सा ले सकें। बेंच ने कहा कि मेन केस यानी जिसमें केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है, इसमें समय लग सकता है। कोर्ट ने ईडी से कहा- अगली सुनवाई में अंतरिम जमानत की शर्तों को भी बताया जाए। हमे अंतरिम जमानत देने या न देने पर अभी फैसला करना है। हम 7 मई को इस पर सुनवाई करेंगे। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की तरफ से एएसजी एसवी राजू ने सुप्रीम कोर्ट में दलीलें रखीं। सिंघवी ने एक बार फिर कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है। केजरीवाल ने ईडी के 9 समन का जवाब दिया था। जांच एजेंसी के सामने पेश न होना गिरफ्तारी का आधार नहीं हो सकता। वहीं एसवी राजू ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का आधार बताया। उन्होंने कहा- केजरीवाल को गिरफ्तार करने का निर्णय सिर्फ जांच अधिकारी नहीं, बल्कि एक स्पेशल जज द्वारा भी लिया गया था। दिल्ली के सीएम गिरफ्तार नहीं किए जाने को लेकर हाईकोर्ट भी गए थे। लेकिन कोर्ट ने दस्तावेजों को देखने के बाद गिरफ्तारी से रोक पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। क्या बिना किसी न्यायिक कार्यवाही के विजय मदनलाल चौधरी या अन्य मामले में जो कहा गया है, उसके संदर्भ में आपराधिक कार्यवाही शुरू की जा सकती है? (जस्टिस खन्ना ने कहा कि केजरीवाल के मामले में अब तक कोई कुर्की नहीं हुई है। अगर हुई है तो ईडी को यह बताना होगा कि उनका संबंध कैसे था) मनीष सिसोदिया मामले में फैसले के दो हिस्से हैं- एक, जो उनके पक्ष में है, दूसरा, जो उनके पक्ष में नहीं है।

पूर्व कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने थामा शिवसेना का दामन

सीएम शिंदे की मौजूदगी में ग्रहण की सदस्यता

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस से निष्काषित संजय निरुपम एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री शिंदे की उपस्थिति में उन्होंने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी बयानों के चलते उन्हें छह वर्षों के लिए निष्काषित किया था। शिवसेना में शामिल होने के बाद, निरुपम ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं 20 साल बाद फिर से शिवसेना में आ गया हूं। मेरी सांसों में शिवसेना ही रही है। हम पार्टी को मजबूत करेंगे और मुख्यमंत्री शिंदे की ताकत को बढ़ाएंगे। मुझे सीएम शिंदे पर भरोसा है, वे जो जिम्मेदारी देंगे, मैं ईमानदारी से निभाऊंगा। बता दें, 2006 तक निरुपम शिवसेना से रायसभा सांसद थे। बता दें, रुपम 2005 में कांग्रेस में शामिल थे हुए और उन्हें महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2009 के चुनावों में मुंबई उत्तर लोकसभा सीट जीती, उस समय उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता राम नाइक को एक करीबी मुकाबले में हराया। उन्होंने पिछले 19 वर्षों में कांग्रेस पार्टी में विभिन्न पदों पर कार्य किया और अनबन के बाद पार्टी से बाहर होने से पहले कांग्रेस की मुंबई शहर इकाई का नेतृत्व भी किया। कांग्रेस ने पिछले महीने निरुपम को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी बयानों के लिए छह साल के लिए निष्काषित कर दिया था।

मणिपुर हिंसा का एक साल

सामान्य हालात दूर की बात, शिविरों में हजारों लोगों का संघर्ष जारी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में जारी जातीय हिंसा को आज एक साल पूरा हो गया है, लेकिन हिंसा के एक साल बाद भी राज्य में मैतेई और कुकी-ज़ोमी जनजाति के बीच तनाव जारी है। पिछले साल 3 मई को शुरू हुई इस जातीय हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके है। वहीं, 58 हजार से अधिक बेघर लोग राहत शिविरों में तकलीफों में रह रहें है। राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब है कि जेड सुरक्षा के साथ भी राज्य के मुख्यमंत्री पिछले एक साल में कुकी-जोमी इलाकों में जानमाल के नुकसान का जायजा लेने नहीं जा पाए है। यहां समाज बिखर चुके हैं। दफ्तर हों या अस्पताल, कहीं भी सरकारी सिस्टम नहीं बचा है। सरकार के सर्कुलर के बावजूद सरकारी दफ्तरों से कर्मचारी गायब हैं। कुकी बहुल जिलों हों या मैतेई बहुल, सड़कों पर हथियारबंद लोग नजर आ जाएंगे। पूरा राज्य दो हिस्सों में बंटा है। हालात यह है कि कुकी-जोमी जनजाति के लोग अब इंफाल घाटी में आने का कोई जोखिम नहीं उठाते, जबकि पहाड़ों में बसे मैतेई लोगों ने अपने घर-जमीन सबकुछ छोड़ दिया है।

साढ़े तीन लाख लोग एक सरकारी अस्पताल के भरोसे

चूराचांदपुर में रहने वाले जे. बाइते (बदला हुआ नाम) पेशे से शिक्षक है, वो कहते है कि करीब साढ़े तीन लाख आबादी वाले चूराचांदपुर में केवल एक सरकारी अस्पताल है। अगर वहां इलाज नहीं होता तो लोगों को आइजोल जाना पड़ता है। जो साढ़े तीन सौ किमी दूर है, और प्राइवेट गाड़ियों से वहां पहुंचने में 8 से 10 घंटे लग जाते है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों का आइजोल तक पहुंचना बहुत मुश्किल है।

अडीग राजवाह पर अज्ञात युवती का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

⇨ घटना स्थल पर एसएसपी और एसपी देहात ने पहुंचकर किया निरीक्षण ⇨ आखिर कोन थी वो युवती जिसको उतारा मौत के घाट

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा – जनपद थाना गोवर्धन क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई।जब थाना गोवर्धन क्षेत्र के मथुरा रोड पर स्थित गांव अडीग के रजवाह पटरी पर 18 वर्षीय करीब अज्ञात युवती का अधजला शव पड़ा मिला।जब इसकी जानकारी हुई तो यह खबर आग की तरह फैल गई।हर कोई घटना स्थल की तरफ उस लड़की के शव को देखने के लिए पहुंचने लगे।वहीं युवती का शव मिलने की जानकारी स्थानीय पुलिस को हुई तो पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया।और मौके पर हो रही भीड़ को हटाया।शव के शिनाख्त के प्रयास किए गए लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक युवती के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।और वही घटना स्थल पर फ्रोरेसिक टीम भी पहुंची जिसने घटना स्थल पर पहुंचकर अपने कार्य में लग गई।युवती के अधजला शव मिलने की सूचना पर एसएसपी शैलेश कुमार पाण्डेय एसपी देहात गोवर्धन सीओ पहुंचे जहां घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।वहीं पुलिस ने मृतक लड़की के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और अपनी आगे की कार्यवाही में जुट गई।

आखिर कोन थी वो युवती जिसको उतारा मौत के घाट

ग्रामीणों के जुबान पर एक ही सवाल था कि आखिर कोन थी वो युवती जिसको इस तरीके से उतारा है मौत के घाट।आखिर युवती यहां तक पहुंची केसे।अब ये तो पुलिस जांच में ही खुलासा होगा कि मृतक युवती कोन थी।और यहां तक केसे पहुंची।और इस तरीके से मौत के घाट उतारने का क्या कारण रहा।

वहीं इस बारे में एसएसपी शैलेष कुमार पाण्डेय ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि थाना गोवर्धन क्षेत्र के अडीग की नहर के पटरी के समीप एक अज्ञात युवती का शव मिला है।जिसकी शिनाख्त कराई जा रही है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।जांच कराई जा रही है।जो भी दोषी होगा उसके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी

तांत्रिक के कहने पर मकान मालिक घर में करा रहे थे खुदाई ग्रामीणों ने कर दी पुलिस हेल्पलाइन पर शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा – सुरीर क्षेत्र के गांव कराहरी में ठाकुर सिंह के घर के अंदर एक कमरे में चोरी छिपे खुदाई हो रही थी।कथित तांत्रिक ने उन्हें लालच दिया था कि उनके घर के अंदर जमीन में खजाना गड़ा है।

जिसे वह तंत्र-मंत्र कर निकाल सकता है।खजाने के लालच में मकान स्वामी ठाकुर सिंह घर के अंदर एक कमरे में खुदाई करा रहे थे।गांव को लोगों को इसकी भनक न लगे इसके लिए उनकी पत्नी ने खुदाई के लिए अपने मायके वाले बुलाए थे।वहीं घर के अंदर चोरी छिपे चल रही खुदाई की भनक पड़ोसियों को लग गई।तांत्रिक द्वारा खजाने के लिए बलि देने का शक जताते हुए पड़ोस के ग्रामीणों ने हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर पुलिस को मामले की सूचना दे दी।

इस सूचना पर थाना पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर के अंदर एक कमरे में खुदाई होती मिली।खुदाई से कमरे में कुआं जैसा बहुत बड़ा गड्ढा बन गया।जिसे देख पुलिस कर्मी भी दंग रह गए।खुदाई रुकवाने के बाद कथित तांत्रिक समेत ग्रहस्वामी को पुलिस पूछताछ के लिए थाने ले गई।पूछताछ में पता चला कि अलीगढ़ के कथित तांत्रिक ने ग्रहस्वामी को घर में खजाना गड़ा होने का झांसा दिया था।पब्बीपुर चौकी इंचार्ज प्रेमपाल सिंह ने बताया कि खजाने के लालच में खोदाई करा रहे थे पड़ोसियों को शक था कि खुदाई के साथ तांत्रिक किसी की बलि दिलवा सकता है।उन्होंने कहा कि पूछताछ के बाद ग्रहस्वामी समेत तांत्रिक को चेतावनी देकर छोड़ दिया है।

माधवपुरी कॉलोनी का पार्क बना असमाजिक तत्वो का अड्डा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा - महोली रोड पर स्थित माधवपुरी गिरिराज मंदिर पार्क में बाहरी लड़कों के आने से माहौल खराब हो रहा है।यहां पार्क में बीयर की बोतलें नशे की सामिग्री मिलने के बाद स्थानीय निवासियों ने कड़ा ऐतराज जताया है।मामले की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है।बीते कुछ दिनों से माधवपुरी कॉलोनी के पार्क में बाहरी लड़के बॉलीवॉल खेलने के बहाने आ रहे है।इस खेल की आड़ में उक्त अराजक तत्व नशेबाजी गाली गलौच करते है।हाल ये है कि महिलाओं का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है।इस पर माधवपुरी वेलफेयर एसोसिएशन ने कड़ी आपत्ति जताते हुए एसपी सिटी को लिखित में शिकायत की।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी ने बीएसए कॉलेज चौकी इंचार्ज संदीप कुमार को मामले की जांच करने को कहा।मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज को स्थानीय लोगों ने नशेबाजी की सामग्री की वीडियो और लड़कों के चेहरे दिखाए तो वो भी हैरत में पड़ गए।स्थानीय लोगों ने बताया मोटर साइकिल और स्कूटर पर आने वाले लड़के कॉलोनी का माहौल खराब कर रहे है।इस पर विगत दो दिन पूर्व पुलिस चौकी से मोबाइल चेतक को भेजा।पुलिस कर्मियों ने लडकों को समझा बुझाकर वहां से भगा दिया।स्थानीय लोगों का तर्क है कॉलोनी के पार्क स्थानीय लोगों की सुविधाओं के लिए बनाए गए है।बाहरी लोगों के आने से असुरक्षा की भावना पैदा होती है।वहीं चौकी इंचार्ज संदीप कुमार ने कहा है कि स्थानीय लोगों की शिकायत मिली है इस पर लड़कों को समझा बुझाकर वहां से हटा दिया है अगर फिर किसी ने गड़बड़ की तो वो इस मामले में सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन हवन के साथ हुआ अखंड भंडारा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता जालौन

माधौगढ़ जालौन - चितौरा में पांडरी वाले बाबा की असीम अनुकम्पा से चितौरा मान्दिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन हवन के साथ अखंड भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें कि सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को कृतार्थ किया। पूर्व में भगवताचार्य कमलाकांत दुवे बगिया सरकार मिर्जापुर ने बताया कि संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। कथा व्यास ने बताया कि वास्तविकता में श्रीकृष्ण केवल ग्वाल-बालों के सखा भर नहीं थे, बल्कि उन्हें दीक्षित करने वाले जगद्गुरु भी थे। श्रीकृष्ण ने उनकी आत्मा का जागरण किया और फिर आत्मिक स्तर पर स्थित रहकर सुंदर जीवन जीने का अनूठा पाठ पढ़ाया। इस अवसर परीक्षित पुष्पा ओमकार दीक्षित सजोयक मंजेश महाराज, मुन्ना शिवहरे, मनोज कुमार शिवहरे पत्रकार, रामकुमार दीक्षित, अलोक दीक्षित, राहुल दीक्षित, संतोष शिवहरे, राहुल शिवहरे, अंकित शिवहरे, कौशलेंद्र सिंह राजावत, दीपक राजावत, रमेश मिश्रा, प्रभाशकर मिश्रा,के. टी, सिंह, राजवीर सिंह, राकेश कुशवाहा, राजकुमार राठौर, अरूण सक्सेना,जैन्डल सिंह पप्पू गुप्ता बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पहले मतदान फिर जलपान निकाली जागरूकता रैली ग्राम प्रधान प्रशांत कश्यप

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता जालौन

माधौगढ़ जालौन – विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत बावली में मतदाता जागरूकता अभियान के दौरान बच्चों ने रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया कि वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है ग्राम प्रधान बावाली प्रशांत कश्यप ने मतदाताओं को जागरुक करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सभी मतदाताओं को अपनी मताधिकार का उपयोग हर हाल में करना है आपके वोट से सरकार बनती है सरकार हम सबको विकास कानून आदि की रक्षा देती है सचिव जय सिंह यादव ने कहा कि सभी लोग अपने-अपने वोट की चोट से सरकार बनाएं आपका वोट अमूल है इसे आप लोकतंत्र के हित में जरूर उपयोग करें इस मौके पर शिक्षक मोहित कुमार देवेंद्र कुमार संजय रोजगार सेवक अनिल कुमार बाजपेई एवं समस्त स्टाफ ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों की उपस्थित रहे

भ्रम में जीने वालों ब्रह्ममय हो जाओ : निरंकारी संत

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा – संत निरंकारी मिशन के प्रचार कोर्डिनेटर संत हेमराज शर्मा ने यहां मथुरा आगमन पर हाइवे नवादा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर आयोजित सत्संग में सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि चौरासी लाख योनियों में तीन काम दुर्लभ है। पहला मनुष्य का तन दूसरा मोक्ष की इच्छा और तीसरा संतों का आश्रय मिलना।यह तो पुण्य कर्म और प्रार्थनाओं का असर होता है कि प्रभु मनुष्य तन प्रदान करते हैं।अब मनुष्य तन में आकर यह जरूरी नहीं कि मोक्ष की इच्छा हो क्योंकि भौतिक जगत में तो इंसान सांसारिक सुख ही चाहता है।यह तो संत कृपा करते हैं कि मानव को जीवन के लक्ष्य के प्रति जागरूक करते हैं।निरंकारी संत ने कहा कि परमात्मा को मानते सब हैं लेकिन जानते नहीं।ऐसे में जिसे जानते ही नहीं उसे मानना कैसा यह तो केवल मन की कल्पना मात्र है कि भगवान मेरे सामने है।लेकिन

जैसे ही आंख खोलते हैं परमात्मा नजर नहीं आता।क्या किसी को देखे और जाने बिना उसे मान सकते हैं।उन्होंने कहा कि सत्गुरू माता सुदीक्षा महाराज हर मानव को ब्रह्मानुभूति करा रहे हैं।कहा कि इंसान के मूल लक्ष्य की प्राप्ति उसी के द्वारा हो सकती है, जो उसका जानकार हो।जो जानकार नहीं होगा वह हमें भटकायेगा और जो जानकार होगा वह पल में हमें लक्ष्य प्रदान कर देगा।संत हेमराज शर्मा ने कहा कि ब्रह्मज्ञान सबसे कीमती और सर्वोत्तम ज्ञान है जो सत्गुरू की कृपा से प्राप्त होता है उसी के बाद ही सही मायनों में भक्ति शुरू होती है।जो परमात्मा को केवल मानते हैं वह सत्गुरू से परमात्मा का बोध जरूर करें क्योंकि यही संसार का सर्वश्रेष्ठ कार्य है और जिन्हें सत्गुरू की कृपा से ब्रह्मानुभूति है चुकी है वह भक्ति की कद्र करें प्रभु के प्रति दृढ़ रहे क्योंकि प्रभु प्राप्ति करना कोई मजाक नहीं है यह तो प्रभु स्वयं कृपा करते हैं।उन्होंने कहा कि प्रभु को अपनी कल्पना अनुसार खुद ही बना रहे हैं और खुद ही भज रहे हैं।जबकि यह विचारणीय है कि जो पूरी सृष्टि को बनाता है उसे हम कैसे बना सकते हैं।कैसे उसे भज सकते हैं। हम भौतिक जगत में केवल भ्रम में जी रहे हैं जबकि जुड़ना तो ब्रह्म से था।जैसे बिना देवकी के देवकीनंदन नहीं आ सकता।ऐसे ही प्रभु मिलन के लिए भी तो सत्गुरू चाहिए।सत्गुरू की कृपा से ही सत्य स्वरूप परमात्मा मिलता है।निरंकारी प्रतिनिधि किशोर स्वर्ण ने बताया कि सत्संग में अनेक स्थानों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया।इसमें दिल्ली से आए निरंकारी प्रचारक एलपी भट्टराई एसडीओ नरेश राठौर सहित अनेक वक्ताओं ने गीत भजन एवं विचार व्यक्त किए।संचालन ओपी सिंह ने किया और संत भक्तों का स्वागत मथुरा के जोनल इंचार्ज एच के अरोड़ा तथा आदेश त्रिपाठी एवं उर्वशी त्रिपाठी परिवार ने किया।

सरकार की छवि धूमिल करने को उठाया यमुना प्रदूषण का मुद्दा

तीसरा विकल्प न्यूज - संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा लोकसभा चुनाव संपन्न हुए हैं पर इस बार के चुनाव मैं मथुरा लोकसभा क्षेत्र में सांसद हेमा मालिनी सहित सरकार की छवि को धूमिल करने का भरपूर प्रयास किया गया।मथुरा जनपद मैं लोकसभा चुनावों से ठीक पहले यमुना शुद्धि करण अभियान चलाकर लोगों की भावनाओ को भड़काने का प्रयास आम आदमी पार्टी के साथ साजिश के तहत उठाया गया।मथुरा की लोकप्रिय सांसद हेमामालिनी सहित उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को बदनाम करने के लिए साजिश रची गई। यमुना सनातन धर्म अनुयायियों के लिए आस्था का केंद्र है इसी बात का फायदा उठाते हुए मथुरा के तथाकथित स्वंभू यमुना भक्त बन लोगों की भावना को भड़काने का प्रयास किया।जिससे मथुरा मैं विपक्ष को राजनैतिक फायदा मिल जाए लगातार एक तथाकथित यमुना भक्त का चोला ओढ़कर कार्य करने वाले आम आदमी पार्टी के दलाल द्वारा लगातार लोगों को यमुना के नाम पर भड़काने की भरकस कोशिश की लोकसभा चुनावों के ठीक पहले मां यमुना का मुद्दा खड़ा करना एक सोची समझी साजिश का हिस्सा थी।इस कार्य मै यमुना मैं आस्था रखने वाले भोले भाले लोगों को भी बरगला कर शामिल कर लिया और परदे के पीछे लिखी गई कहानी को खेलने का काम किया गया।जिसकी बानगी लोगो को बंगाली घाट पर सांसद हेमा मालिनी की सभा में देखने को मिली।काफी लम्बे समय से अपने आप को राजनीत मैं जगह तलाश करने वाले तथाकथित यमुना भक्त ने हर पैतरे आजमा कर देख लिए पर सफल नहीं हुआ इस बात की कसक उसे मां यमुना के नाम पर राजनीत करने पर विवश करती रही।इस कार्य योजना पर अमल करते हुए जब कोई फायदा नही मिल सका तो आम आदमी पार्टी का सहारा लेकर मथुरा में गुप्त एजेंडा मां यमुना भक्त को गुमराह करने का चलाया।तथाकथित भक्त पहले भी आस्था का सहारा लेकर लोगों को कंस खार स्थित मूत्रालय के नाम पर भी भड़काने का प्रयास कर चुका है कृष्ण की भक्ति की आड़ मैं दरअसल मूत्रालय के सामने अपने वने गेस्ट हाउस को चमकाना चाहता है मूत्रालय होने के कारण उसके गेस्ट हाउस मैं यात्री ठहरने मैं असमर्थता जाहिर करता है।जिसकी टीस को दूर करने के इरादे से यमुना के नाम पर चुनाव के समय मुद्दा खड़ा किया गया।सर्व विदित है यमुना प्रदूषण का मामला लंबे समय से लटका पढ़ा है चाहे भाजपा शासन हो या कांग्रेस सरकार यमुना भक्तो द्वारा न्यायालय मैं भी अपील दायर की है मामले पर सरकार भी अपने हिसाब से हर संभव प्रयास कर रही है।फिर भी अपनी राजनेतिक जमीन तैयार करने के इरादे से यमुना भक्तो की भावनाओ को भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।समय रहते सरकार को इस तरह की ओछी मानसिकता वाले स्वयंभू नेताओं को सही रास्ता दिखा कर यमुना भक्तो की भावना भड़काने से रोकने की पहल करनी होगी।

बल्देव में ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर बहु को दो मंजिल से नीचे फेंका

◻ आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर डीएम से मिले परिजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा – थाना बलदेव क्षेत्र में एक गर्भवती महिला के दो मंजिल से नीचे गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।महिला के मायके वालों का आरोप है कि उनकी बेटी को ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर दो मंजिल से नीचे फेंक दिया।जबकि ससुराल वालों का कहना है कि महिला मायके जाने की जिद कर रही थी न भेजने पर वह रैलिंग से लटक गई और वह गिर गई।शुक्रवार को इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर प्रियंका के परिजन डीएम ऑफिस पहुंचे जहां उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की।बताया जाता है आगरा के शाह नगर टेढ़ी बगिया ट्रांस यमुना नगर के रहने वाले महावीर सिंह ने अपनी बेटी प्रियंका की शादी 14 महीने पहले 16 फरवरी 2023 को मथुरा के बलदेव इलाके के मंगला सराय गांव के रहने वाले सत्यवीर के बेटे हर्ष से की थी।शादी में महावीर ने करीब पचास लाख रुपए खर्च किए।जिसमें आठ लाख रुपए नगद एक बोलेरो और एक मोटर साइकिल दी थी।प्रियंका के पिता महावीर का आरोप है कि उनकी बेटी के ससुर सत्यवीर क्लस्स में तैनात हैं।जिसकी वजह से वह

रौब में रहते हैं।शादी के बाद से ही ससुराल वाले और अधिक दहेज की मांग करने लगे।दहेज न मिलने पर प्रियंका के साथ मारपीट करते थे।इसको लेकर मामला परिवार कोर्ट में भी पहुंचा।जहां बीस अक्टूबर 2023 को दोनों पक्षों में समझौता हो गया।गर्भवती महिला प्रियंका के रैलिंग से लटकने और गिरने का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें प्रियंका जमीन से करीब 25 फीट ऊपर रैलिंग से लटकी दिखाई दे रही है।नीचे कुछ लोग खड़े हैं।करीब 23 सेकंड लटके रहने के बाद उसका हाथ अचानक रैलिंग से छूट जाता है और वह नीचे गिर जाती है।वहीं 6 माह की गर्भवती प्रियंका के गिरने के कारण पसली टूट गई और उसके जांघ व आंख में चोट आई। प्रियंका को गंभीर हालत में उसके मायके वाले लेकर मथुरा जिला अस्पताल लाए जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।प्रियंका के भाई का आरोप है कि जब वह अपनी बहन को लेकर अस्पताल आ रहे थे उस दौरान सत्यवीर देवेंद्र बनवारी लाल रीना हर्ष और काका ने उनके साथ मारपीट की थी।पीड़ित प्रियंका के पिता महावीर ने बताया कि वह 25 अप्रैल से प्रियंका से बात करने के लिए फोन कर रहे थे।लेकिन ससुराल वाले बात नहीं करा रहे थे।28 अप्रैल को वह अपनी पत्नी और दोनों बेटों के साथ प्रियंका की ससुराल पहुंचे।जहां देखा कि उनकी बेटी दो मंजिल ऊपर रैलिंग से लटक रही हैं।वहीं अब आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

रेडक्रॉस मना रही सेवा सप्ताह चिकित्सा शिविर लगा किया 150 मरीजों का उपचार

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा – भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी मथुरा शाखा द्वारा रेड क्रॉस सेवा सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को महाविद्या कॉलोनी स्थित एस एन डेंटल केयर एंड पॉलीक्लीनिक में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में डॉ. आदेश शर्मा डॉ. शैफाली अग्रवाल डॉ. चिन्मय खंडेलवाल एवं डॉ. के. एम. मित्तल द्वारा 150 मरीजों का चिकित्सा परामर्श एवं जांच किया गया।जिसमें हड्डी रोग नवजात शिशु एवं बाल रोग दंत रोग फिजियोथेरेपी से संबंधित रोगों का जांच एवं उपचार किया गया।रेडक्रॉस सोसाइटी के सभापति महेश खंडेलवाल एवं उपसभापति वृषभान गोस्वामी ने संयुक्त रूप से बताया कि आगामी 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस है।इस पूरे सप्ताह में रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जनपद के कन्या विद्यालयों में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कार्यशाला तथा सेनेटरी नैपकिन वितरण किया जाएगा।जिले के सभी रक्त बैंकों में रेड क्रॉस जागरूकता के अंतर्गत रक्तदान किया जाएगा।सभी मेडिकल कॉलेज में रक्तदान जागरूकता एवं रेड क्रॉस दिवस सेवाकार्य पर संगोष्ठी एवं रक्तदान शिविर के अलावा वृंदावन में बाहर से आने वाले तीर्थ यात्रियों की भीड़ में संचारी रोगों से बचाव हेतु जन जागरण अभियान के अंतर्गत निःशुल्क मास्क वितरण किया जाएगा।वही विद्यालयों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस पूरे जिले में धूमधाम से मनाया जाएगा।चिकित्सा शिविर में राजीव खंडेलवाल शिवशंकर गुप्ता डॉ. एसएस गौतम डॉ. नीतू गोस्वामी नीरज खंडेलवाल कृष्णमुरारी खंडेलवाल सुरेन्द्र सक्सेना रवि खंडेलवाल आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कंप्यूटर शिक्षिका को क्लास रूम में छात्र ने दिनदहाड़े गोली मारी

● गंभीर घायल शिक्षिका हायर सेंटर रेफर ● चंद घंटों में पुलिस ने आरोपी छात्र को दबोचा

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता बिजनौर

बिजनौर – नगर के एक कम्प्यूटर सेंटर पर पढ़ाते समय शिक्षिका को उसी सेंटर के छात्र ने दिनदहाड़े गोली मार दी। घायल शिक्षिका को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची। एएसपी सिटी संजीव कुमार वाजपेई व सीओ सिटी संग्राम सिंह ने मौका मुआयना किया। उधर चंद घंटों के भीतर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। कंप्यूटर सेंटर के स्टाफ और अध्ययनरत छात्र छात्राओं में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से दहशत व्याप्त हो गई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब सवा 10 बजे नगर के नूरपुर रोड स्थित आरसीटीआई कम्प्यूटर सेंटर पर शिक्षिका कोमल देवल को उसी सेंटर पर पढ़ने वाले छात्र प्रशांत कुमार ने गोली मार दी। प्रत्यक्षदर्शी छात्र छात्राओं के अनुसार घटना से कोचिंग सेंटर में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक नगर स्थानीय संजीव कुमार वाजपेई पुलिस के साथ पहुंचे। कंप्यूटर सेंटर स्टाफ के अनुसार मोहल्ला चौधरियान निवासी शिक्षिका कोमल देवल पिछले तीन वर्षों से इस सेंटर में कोचिंग दे रही है। यह भी बताया कि ग्राम शादीपुर थाना कोतवाली देहात निवासी आरोपी छात्र प्रशांत कुमार पुत्र लवकुश ने वर्ष 2020 में कंप्यूटर सेंटर में कंप्यूटर कोर्स किया था। अब रिविजन करने के लिए सेंटर में आ रहा था। बताया गया कि आरोपी छात्र शिक्षिका को काफी दिनों से परेशान कर रहा था। कंप्यूटर सेंटर के स्टाफ और अध्ययनरत छात्र छात्राओं में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से दहशत व्याप्त हो गई है।एएसपी सिटी संजीव कुमार वाजपेई ने बताया कि स्थानीय पुलिस व स्वाट सर्विलांस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए अभियुक्त प्रशांत को पुलिस हिरासत में लिया गया है। घटना में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद किया गया है। अभियुक्त से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

आंत में छेद व स्तन में कैंसर की गांठ का मेडिकल कॉलेज में सफल हुआ ऑपरेशन लौटी मुस्कान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता जालौन

उरई जालौन - मेडिकल कॉलेज के डाक्टरों की टीम द्वारा पहले मरीज के आंत में छेद होने व दूसरे मरीज राममूर्ति कों स्तन में कैंसर की गांठ का सफल ऑपरेशन किया गया। शुक्रवार के दिन दोनों मरीज को पूर्णतया स्वस्थ होने के उपरांत डिस्चार्ज किया गया। दोनों मरीजों का मेडिकल कॉलेज की सर्जरी ओटी में सफल ऑपरेशन किया गया। पहले मरीज की आंत में छेद का जटिल आपरेशन कियागया, दूसरे मरीज की स्तन कैंसर की गांठ को जड़ से निकाल दिया गया। डॉक्टरों की टीम ने मरीज के परिवार वालों के चेहरों की मुस्कान लौटाई। वहीं प्राचार्य डा. आर के मौर्या व सीएमएस डॉ प्रशांत निरंजन व सर्जरी विभागध्यक्ष डॉ निशान्त सक्सेना ने मेडिकल टीम की सराहना की। बता दें कि एक माह पूर्व मरीज 65 वर्षीय चेतराम पुत्र घनश्याम निवासी कालपी को पेट में दर्द उठा था। मरीज ने कई जगहों पर अपना उपचार कराया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने उसे आंत में छेद होने की शिकायत बताई। इसके बाद सभी ने मरीज को लखनऊ व दिल्ली जा कर इलाज की सलाह दी। करीब एक हफ्ता पूर्व मरीज राजकीय मेडिकल कॉलेज आया। मरीज की हालत गंभीर थी और उसकों ऑपरेशन की सख्त जरूरत थी। मरीज के अमाशय में 2-3 सेमी का छेद था। जिसको डॉ नीरज राजपूत सर्जन ने देखा और ऑपरेशन द्वारा छेद बंद करके पेट से दूसरा रास्ता बनाया। अब मरीज ठीक है। वही दूसरा मरीज 63 वर्षीय राममूर्ति पत्नी लालता निवासी औरैया को दाए तरफ स्तन में कैंसर की गांठ हो गई थी। जिससे के मरीज ह्बहुत जगह दिखाया। पैसे के अभाव में अपना ईलाज नहीं करा पा रहे थे। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर कों दिखाने के बाद डॉक्टर नें मरीज की सभी जाँच करके रिपोर्ट आने के बाद मरीज का सफल ऑपरेशन किया गया। आज दोनों मरीज ज़ब डिस्चार्ज हुए तब दोनों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। दोनों मरीजों नें मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, सी एम एस, डॉक्टरों और स्टॉफ को बधाई दी। डा. नीरज राजपूत ने मरीज चेत राम की सभी जांच को देखा। उसके परिवार वालों को आंत में छेद होने के लिए गंभीर आपरेशन के लिए बताया। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की टीम ने आंत में छेद का सफल आपरेशन किया। दोनों मरीजों के सफल आपरेशन करने वाली टीम में डा. नीरज राजपूत, डॉ आदर्श डांडे, डॉ रेनू गौतम जे आर टू, डॉ अरुण चौधरी जे आर वन,एनेथिसिया टीम में डा. कीर्ति डॉ भावना ओटी स्टाफ में नर्स वंदना सचान रही।

सिरसा कलार में लाखों रुपए की लागत से बना पंचायत भवन आज केवल कचरा घर बनकर रह गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता जालौन

कुठैद जालौन - विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत सिरसा कलार में बना पंचायत भवन आज केबल कचरा घर ही दिखाई दे रहा है ग्राम प्रधान दिर्गपाल सिंह ग्राम विकास अधिकारी वेद प्रकाश की मिली भगत से पंचायत भवन निर्माण में लाखों रुपए का घपला किया गया जब कि सरकार द्वारा विकास कार्य करने के लिए करोड़ों रुपए दिया जा रहा है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा विकास कार्य ना करा कर सरकारी धन को हड़पा जा रहा है जबकि ग्राम पंचायत कार्यालय पर ग्राम स्तर के समस्त कार्य व अभिलेख तैयार किया जाना सुनिश्चित किया गया था इसके बावजूद भी ना वहां पर पंचायत सहायक बैठता है ना ही वृद्धावस्था, निराश्रित महिला पेंशन फॉर्म ऑनलाइन किए जाने की सुविधा है ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा पंचायत भवन बनवाने के बाद कोई देखने तक नहीं गया पंचायत भवन में केबल कचरा का अंबार लगा दिखाई दे रहा है कई ग्रामीणों का कहना है कि जब से पंचायत भवन बना है सिरसा कलार में आज तक किसी भी प्रकार का कोई सरकारी कायृ नहीं किया जा रहा है 24 घंटे पंचायत भवन का दरवाजा खुला रहता है पंचायत कार्यालय की देख रेख एवं सुरक्षा के लिए कोई नहीं है पंचायत कार्यालय के अंदर कचरा ही कचरा दिखाई देता है इसके अलावा ना उसमें पंचायत सहायक बैठता है ना ही ग्राम सभा सरकारी कार्य किया जाता है ग्राम पंचायत कार्यालय में सभी प्रकार की सरकारी मास्टर रोल निकालना दस्तावेजों को तैयार करना यहां तक की सरकारी कार्य योजनाओं को भी ग्राम सभा लेवल से ऑनलाइन करना सुनिश्चित किया गया था सिरसा कलार जैसी बड़ी ग्राम सभा में किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं दिखाई देती है जिसका प्रमाण जीता जागता है

रायबरेली और अमेठी से सस्पेंस का पर्दा उठा

➪ रायबरेली से राहुल तो अमेठी से के.एल. शर्मा कांग्रेस की रणनीति से उड़ी भाजपा की नींद, स्मृति ईरानी चारों खाने चित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - मोहम्मद जाहिद अख्तर

लखनऊ - देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में लोकसभा की जिस सीट पर सियासी दिग्गजों की निगाहे लगी हुई थी उस सीट से आखिरकार शुक्रवार को सस्पेंस का पर्दा उठ ही गया।आम जनमानस में भी यूपी की रायबरेली और अमेठी सीट चर्चा का विषय बनी हुई थी।इन दोनो लोकसभा सीटो पर कांग्रेस पार्टी तथा आलाकमान ने कल देर रात सस्पेंस खत्म करते हुए राहुल गांधी को रायबरेली से और गांधी परिवार के करीबी व कांग्रेस के चालीस साल पुराने सिपाही केएल शर्मा को अमेठी से उम्मीदवार घोषित कर दिया। उम्मीदवार घोषित होते ही शुक्रवार को राहुल गांधी ने रायबरेली से तो केएल शर्मा ने अमेठी से अपना नामांकन कर दिया। दरअसल रायबरेली सीट को लेकर कांग्रेस का इतिहास बहुत पुराना है। इस सीट पर हमेशा से कांग्रेस का ही वर्चस्व रहा है। फिरोज गांधी, इंदिरा गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक रायबरेली में अपनी जीत दर्ज कराते आये हैं। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने स्वास्थ्य कारणों के चलते लोकसभा छोड़कर राज्यसभा का रास्ता अपना लिया तो कांग्रेस की परंपरागत सीट रायबरेली को बचाना कांग्रेस के लिए सबसे महत्वपूर्ण हो गया। उधर अमेठी से भाजपा की वर्तमान सांसद स्मृति ईरानी का राहुल गांधी को ललकारना और यह कहना कि मुझसे हारने के बाद राहुल गांधी डर गये हैं ने चुनाव को और भी दिलचस्प बनाने का काम किया। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की एक नई राजनीतिक छवि उभर कर देश के सामने आयी इससे इंकार नहीं किया जा सकता। स्मृति ईरानी चाहती थीं कि राहुल अमेठी से चुनाव लड़े ताकि वो उनकी इस उभरती राजनीतिक छवि को धाराशायी कर भाजपा की सबसे कद्दावर नेता बन जाएं लेकिन कांग्रेस के रणनीतिकारों ने विशेषकर राहुल गांधी ने अपनी सूझ-बूझ से स्मृति ईरानी को चारो खाने चित कर दिया। कांग्रेस के लिए रायबरेली को बचाना न सिर्फ महत्वपूर्ण था बल्कि यहां से पूरे यूपी में इंडिया गठबंधन को एक स्वस्थ संदेश भी देना जरूरी था। अमेठी से कांग्रेस के 40 साल पुराने सिपहसालार केएल शर्मा को इस चुनावी रणभूमि में उतार कर पूरी कांग्रेस पार्टी ने न सिर्फ स्मृति ईरानी बल्कि पूरी भाजपा के रणनीतिकारों को भी धाराशायी कर दिया है। अमेठी से यदि राहुल गांधी चुनावी रणभूमि में उतरते तो भारतीय जनता पार्टी स्मृति ईरानी को जिताने और राहुल गांधी को हराने के लिए पूरी ताकत झोंक देती लेकिन केएल शर्मा को लेकर न सिर्फ स्मृति ईरानी बल्कि स्वयं पीएम नरेंद्र मोदी सोच में पड़ गए हैं कि अब रैली में वो किसको ललकारेंगे। देखा जाए तो स्मृति ईरानी के राजनीतिक सफर की सफलता का पूरा श्रेय अगर किसी को जाता है तो वो राहुल गांधी ही हैं। राहुल गांधी के ईर्द-गिर्द स्मृति ईरानी की राजनीति की धूरी है जो अब लगभग समाप्त होते दिख रही है। केएल शर्मा की यदि बात करें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वो अमेठी और रायबरेली के गली-कूचे से पूरी तरह वाकिफ हैं। रायबरेली तथा अमेठी से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव लड़े केएल शर्मा ही पूरा मैदान गांधी परिवार के लिए तैयार करते थे। अब वे स्वयं इस मैदान में ताल ठोंकने उतर गए है। स्मृति ईरानी अब राहुल गांधी को ललकारने की बात भूलकर केएल शर्मा को ललकारती नजर आयेंगी जो स्वयं उनके राजनीतिक कद के लिए शोभायमान नहीं होगा। रायबरेली सीट से राहुल गांधी को हराना असंभव है वहीं अमेठी से स्मृति ईरानी का जीतना भी फिलहाल संभव नहीं क्योंकि केएल शर्मा के लिए भाजपा अपनी पूरी ताकत कभी नहीं झोंकेगी यह तय है। साफ है कांग्रेस की जबरदस्त रणनीति ने न सिर्फ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को बल्कि मेन स्ट्रीम मीडिया को भी चारो खाने चित कर दिया है।

राजस्थान हाई कोर्ट ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की जनहित याचिका पर फौरी सुनवाई का किया स्वागत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - राजस्थान हाई कोर्ट ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की जनहित याचिका पर फौरी सुनवाई का स्वागत किया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी संगठन संवाद सामाजिक संस्थान ने राज्य सरकार से अपील की है कि वह भी अपने राज्य में पंचायतों का बाल विवाह के मुद्दे पर क्षमतावर्धन करें जिससे उ.प्र. भी बाल विवाह मुक्त हो सके। ज्ञातव्य हो कि राजस्थान हाईकोर्ट का यह फौरी आदेश 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस' की जनहित याचिका पर आया है। इन संगठनों ने अपनी याचिका में इस वर्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के मौके पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। न्यायमूर्ति शुभा मेहता और पंकज भंडारी की खंडपीठ ने कहा कि सभी बाल विवाह निषेध अफसरों से इस बात की रिपोर्ट मंगाई जानी चाहिए कि उनके अधिकार क्षेत्र में कितने बाल विवाह हुए और इनकी रोकथाम के लिए क्या प्रयास किए गए। खंडपीठ का यह आदेश अक्षय तृतीया से

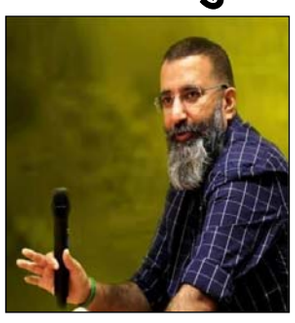

महज 10 दिन पहले आया है। याचियों द्वारा बंद लिफाफे में सौंपी गई अक्षय तृतीया के दिन होने वाले 54 बाल विवाहों की सूची पर गौर करने के बाद खंडपीठ ने राजस्थान सरकार को इन विवाहों पर रोक लगाने के लिए बेहद कड़ी नजर रखने को कहा है। यद्यपि इस सूची में शामिल नामों में कुछ विवाह पहले ही संपन्न हो चुके हैं लेकिन 46 विवाह अभी होने बाकी हैं। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा बाल विवाह वह घृणित अपराध है जो सर्वत्र व्याप्त है और जिसकी हमारे समाज में स्वीकार्यता है। बाल विवाह के मामलों की जानकारी देने के लिए पंचों व सरपंचों की जवाबदेही तय करने का राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। पंच व सरपंच जब बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक होंगे तो इस अपराध के खिलाफ अभियान में उनकी भागीदारी और कार्रवाइयां बच्चों की सुरक्षा के लिए लोगों के नजरिए और बर्ताव में बदलाव का वाहक बनेंगी। बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम पूरी दुनिया के लिए एक सबक हैं और राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस पांच गैरसरकारी संगठनों का एक गठबंधन है जिसके साथ 120 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठन सहयोगी के तौर पर जुड़े हुए हैं जो पूरे देश में बच्चों के अधिकार और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। संवाद सामाजिक संस्थान के निदेशक अतुल तिवारी ने कहा राजस्थान हाई कोर्ट का यह आदेश ऐतिहासिक है जिसके दूरगामी नतीजे होंगे। देश में शायद पहली बार ऐसा हुआ है जब पंचायती राज प्रणाली को यह शक्ति दी गई है कि वह सरपंचों को अपने क्षेत्राधिकार में बाल विवाहों को रोकने में विफलता के लिए जवाबदेह ठहरा सके।

पुरुस्कार वितरण समारोह में मेधावी छात्र व छात्राओं को सम्मानित किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - यूनिक कॉन्वेन्ट इंटर कॉलेज खदरा में आज दिनांक 3 मई 2024 दिन शुक्रवार को पुरुस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा 2024 में सरहानीय अंक प्राप्त करने वाले छात्र व छात्राओं को विद्यालय प्रबंधक के. के. दूबे एंव प्रधानाचार्या डॉ. जी. सक्सेना के द्वारा समस्त अध्यापको एंव अभिभावकों की उपस्थित में सम्मानित किया गया।

बच्चों के साथ धोखाधड़ी कर उनका भविष्य जानबूझकर बर्बाद कर रहा है यूपी का समाज कल्याण विभाग

❑ मोदी-योगी की युवा रोजगार गारंटी योजना के मुंह पर कालिख पोत रहे हैं विभाग के भ्रष्ट अधिकारी.

लखनऊ। जहाँ एक तरफ देश के प्रधानमंत्री और यूपी के मुख्यमंत्री देश और प्रदेश के छात्रों गौर युवाओं को रोजगार की गारंटी देने की बात जोर-शोर से कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ योगी की नाक के नीचे सचिवालय और निदेशालय में बैठे समाज कल्याण के भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी निजी स्वार्थसिद्धि के लिए प्रदेश के नौनिहालों के साथ धोखाधड़ी करने और उनके भविष्य को जानबूझकर बर्बाद करने का गैरकानूनी काम सरकारी संगठित गैंग बनाकर उस समाज कल्याण विभाग में कर रहे जिस विभाग का मुख्य जिम्मा ही समाज का कल्याण करने का है। मामला समाज कल्याण विभाग की कुल 253 अनुदान प्राप्त प्राविधिक एवं औधोगिक संस्थाओं तथा मान्यता प्राप्त प्राविधिक एवं औधोगिक संस्थाओं का है जिनके मार्फ़त लाखों छात्रों को निरंतर धोखे में रखकर उनके भविष्य को अंधे कुँए में धकेला जा रहा है। लम्बे समय से इस मुद्दे को उठा रहीं राजधानी के राजाजीपुरम इलाके की निवासिनी समाजसेविका और पूर्व में भारतीय जनता पार्टी के आरटीआई प्रकोष्ठ की प्रदेश उप प्रभारी रह चुकीं उर्वशी शर्मा बताती है कि उनके प्रयासों के बाद समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या 1624ध्26-2-2021 लखनऊ दिनांक 12 अक्टूबर 2021 के माध्यम से विभाग की अनुदान प्राप्त प्राविधिक एवं औधोगिक संस्थाओं तथा मान्यता प्राप्त प्राविधिक एवं औधोगिक संस्थाओं द्वारा 30-06-2022 तक एन.सी.वी.टी. से मान्यता प्राप्त न कर पाने की स्थिति में विभाग द्वारा प्रदत्त मान्यता को शून्य मान लिए जाने के आदेश पारित किये गए थे और शासन के इस आदेश के अनुक्रम में निदेशालय समाज कल्याण उत्तर प्रदेश के तत्कालीन निदेशक राकेश कुमार ने अपने हस्ताक्षरों से कार्यालय ज्ञाप संख्या दृ सी दृ 1373 सवकव, अनुव,औवप्रावशिवसंव 2021-22 लखनऊ दिनांक 19 जनवरी 2022 जारी करके ऊपर वर्णित शासनादेश की शर्तों को पूरा नहीं करने वाली समाज कल्याण विभाग की मान्यता प्राप्त, अनुदानित संस्थाओं की मान्यता को दिनांक 30-06-2022 के उपरांत शून्य मान लिए जाने के आदेश पारित किये थे। उर्वशी बताती हैं कि शासन और निदेशालय के इन कार्यालय ज्ञापों में ही यह स्पष्टतया अंकित है कि छब्टज् से मान्यता प्राप्त नहीं होने के कारण इन संस्थानों से प्राप्त प्ज्प् प्रमाणपत्र केन्द्रीय एवं प्रदेशीय सरकारी सेवाओं में सेवायोजन के लिए मान्य नहीं होने के कारण इन संस्थाओं से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत छात्र स्वयं को कुंठित और असहाय पाते हैं तथा ये संस्थाएं छात्रों हेतु लाभकारी अथवा उपयोगी सिद्ध नहीं हो रही हैं और इन संस्थाओं द्वारा बच्चों का भविष्य अंधकारमय रखकर उनके साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उर्वशी कहती हैं कि छात्रों के भविष्य की दृष्टि से ये दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि इसके पश्चात भी शासन और निदेशालय के कतिपय अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शासन तथा निदेशालय के उपरोक्त कार्यालय ज्ञापों के खिलाफ जाकर छात्रों के साथ धोखा-धड़ी करके अवैध रूप से चल रही गैर एन.सी.वी.टी. मान्यता प्राप्त संस्थाओं की मान्यताओं को दिनांक 30-06-2022 से आगे एक वर्ष (दिनांक 30-06-2023) तक विस्तारित करके के गैरकानूनी आदेश जारी किये गए और यही नहीं, शासन तथा निदेशालय के इन आदेशों के पश्चात इन संस्थाओं में नए प्रवेशों पर पूर्ण रोक लगाई जानी चाहिए थी किन्तु ऐसा नहीं किया गया है और शासन और निदेशालय के कतिपय अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से इन गैर एन.सी.वी.टी. मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा छात्रों के साथ धोखा-धड़ी करके अवैध रूप से नए प्रवेश निरंतर जारी हैं।

समाचार

शॉर्ट सर्किट से खेतों में लगी आग सैकड़ो में बीघा की नरई व भूसा हुआ राख

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता जालौन

जगम्मनपुर जालौन - विद्युत शार्ट सर्किट से खेतों में आग लगने के कारण सैकड़ो बीघा की नरई एवं हजारों कुंतल भूसा जलकर राख हो गया । रामपुरा थाना अंतर्गत ग्राम जगम्मनपुर के निकट विद्युत शार्ट सर्किट के कारण आग लगने से हार्वेस्टर के द्वारा गेहूं की फसल काटने के बाद भूसा बनने के लिए खेतों में खड़ी अवशिष्ट नरई एवं खेतों में रखें गेहूं बेझर भूसा के ढेर सहित काली ईंट भट्ठा के लिए संग्रहित हजारों कुंतल लाही का भूसा जलकर राख हो गया ।बताया जाता है कि आज शुक्रवार की दोपहर समय लगभग 1:00 बजे जगम्मनपुर के निकट अनिरुद्ध सिंह सेंगर के खेतों के पास प्राइवेट नलकूप के लिए गए विद्युत तारों से एक चिंगारी खेतों में गिरी जिससे खेतों में गेहूं की फसल के अवशिष्ट भाग नरई में आग लग गई , तेज हवा चलने के कारण देखते-देखते आग ने प्रचंड रूप धारण कर लिया जिससे लगभग 300 एकड़ खेतों की नरई एवं खेतों में रखा गेहूं बेझर का भूसा जलकर राख हो गया वहीं काली ईंट भट्ठा जगम्मनपुर के लिए संग्रहित लगभग नौ हजार कुंतल लाही के भूसे का ढेर भी जलकर भस्मीभूत हो गया । सूचना पाकर जिलाधिकारी जालौन के निर्देश पर उप जिलाधिकारी माधौगढ़ विश्वेश्वर सिंह , प्रभारी थानाध्यक्ष रामपुरा सोनू श्रीवास्तव , उप निरीक्षक विनोद कुमार सिंह जगम्मनपुर चौकी प्रभारी एवं उप निरीक्षक रामकिशोर सिंह मय पुलिस बल एवं दमकल की दो गाड़ियों सहित तत्काल मौके पर पहुंच गए व आग बुझाने के सार्थक प्रयास किए। बमुश्किल आग पर काबू पाया । आग का रूप इतना प्रचंड था कि यदि उचित समय पर प्रशासनिक सहायता ना होती तो समीप के बेनीपुरा गांव तक आग पहुंच सकती थी । इस घटना में भले ही फसल का नुकसान ना हुआ हो लेकिन नरई एवं भूसा जलने से पशुओं के लिए भोजन का संकट उत्पन्न हो गया है।

शिकजा पुस्तकें, यूनिफॉर्म आदि के लिए स्कूल करें बाध्य तो कीजिए शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता बिजनौर

बिजनौर - जिले में संचालित समस्त सीबीएसई/आईसीएसई बोर्ड के विद्यालय विगत 03 वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में लिये गये शुल्क का विवरण अधिकतम 01 सप्ताह में कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक बिजनौर में उपलब्ध करायेंगे। यह निर्देश जिलाधिकारी ने दिए हैं। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम 4:30 बजे कलक्ट्रेट स्थित उनके कार्यालय कक्ष में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त सीबीएसई/आईसीएसई बोर्ड के विद्यालय छात्रों से लिये जाने वाले शुल्क का विवरण अपनी बेवसाइट तथा नोटिस बोर्ड पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित करायेंगे। उन्होंने कहा; समस्त अभिभावकों को सूचित किया गया है कि विद्यालय द्वारा विशिष्ट दुकान / प्रतिष्ठान से पुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते मौजे आदि क्रय करने हेतु बाध्य किया जाता है, तो इसके सम्बन्ध में जिला शुल्क नियामक समिति से शिकायत की जा सकती है। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग खंड, वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक उपस्थित रहे।

गौरी शंकर मंदिर हरगांव में वाटर कूलर बना महज शोपीस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले की आदर्श नगर पंचायत हरगांव के अन्तर्गत प्राचीन सूर्यकुंड तीर्थ पर विराजमान सुप्रसिद्ध भगवान गौरी शंकर भोलेनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं के लिए रखा हुआ वाटर कूलर शोपीस बनकर रह गया है महीनों से खराब पड़े वाटर कूलर पर किसी भी अधिकारी की नजर नहीं पड़ी उसका नतीजा यह है कि इस भीषण गर्मी में भी श्रद्धालुओं को पीने और जल चढ़ाने के लिए महज एक नल का ही सहारा बचा हुआ है इसके आस पास भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है जब श्रृद्धालु जल भरने के लिए जाते हैं तो उन्हें कहीं ना कहीं गंदगी के पास से ही गुजरना पड़ता है। आपको बताते चलें हरगांव के प्राचीन सूर्य कुण्ड तीर्थ पर विराजमान गौरीशंकर बाबा के मन्दिर में हजारों की संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालु जल चढ़ाने के लिए आते हैं और अमावस्या के दिन तो मेले का भी आयोजन होता है जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं परन्तु मन्दिर परिसर में इस भीषण गर्मी में जल के लिए सिर्फ और सिर्फ एक नल का ही सहारा बचा हुआ है जिसे कहीं ना कहीं श्रद्धालुओं में भी आक्रोश व्याप्त होता है लोकसभा चुनाव के दरमियांन लगभग रोज ही किसी न किसी जनप्रतिनिधि का भी आगमन भी मंदिर परिसर में होता है परन्तु इस ओर किसी का ध्यान आकर्षित नहीं हुआ। इस विषय पर जब नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी श्रीश मिश्रा से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि वाटर कूलर खराब होने की जानकारी हमें नहीं थी अब जानकारी प्राप्त हुई है जल्द ही हम वाटर कूलर को सही करा देंगे।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सभास्थल की तैयारियां जोरों पर सेना के हेलीकॉप्टर ने किया निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - आसन्न लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को विजय दिलाने के उद्देश्य से आगामी पांच मई को धौरहरा लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा हरगांव के कस्बा हर गांव में स्थित अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड के लैगून प्रांगण में प्रधानमंत्री की सभा होना प्रस्तावित है। कस्बा हर गांव में प्रधानमंत्री की प्रस्तावित सभा को लेकर सभास्थल पर तैयारियां जोरों पर चल रही है। सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सभास्थल को एसपीजी ने अपने अण्डर में ले लिया है। शुक्रवार को सेना के हेलीकॉप्टरों को लैंडिंग कराकर ट्रायल भी किया गया। जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव को लेकर लोकसभा क्षेत्र धौरहरा लखीमपुर सीतापुर एवं मिश्रिख से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीतापुर जनपद के हरगांव कस्बे में 5मई रविवार को एक जनसभा को संबोधित करने हेतु आ रहे है।जिसकी इनदिनों तैयारियां जोरों पर चल रही है।जिसका निरीक्षण हेतु सेना के हेलीकॉप्टर को हैलीपैड पर निरीक्षण कराकर ट्रायल भी शुक्रवार को किया गया है।सेना के हेलीकॉप्टरों ने दो बार लैंडिंग की। प्रधानमंत्री के सभास्थल को एसपीजी के कमांडो ने अपने संरक्षण में ले लिया है।

गांधी परिवार अमेठी के चुनावी समर में नही

● 25 साल बाद अमेठी सोनिया के सिपहसालार किशोरी लाल के हवाले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की हाईप्रोफाइल सीट अमेठी सीट गांधी परिवार की परंपरागत सीट मानी जाती है। 1999 के बाद से अमेठी के सियासी रण से गांधी परिवार हर बर मैदान में था लेकिन 25 साल बाद ऐसा मौका होगा जब कोई गांधी परिवार से प्रत्याशी नहीं होगा।आज जारी दावेदारों की सूची में अमेठी से किशोरी लाल शर्मा का नाम घोषित हुआ है। इसको लेकर सियासी माहौल बदल गया है। 1999 में सोनिया गांधी ने अपना पहला चुनाव अमेठी से लड़ा था। सोनिया गांधी ने 2004 में सीट बेटे के लिए छोड़ दी। राहुल गांधी 2004, 2009, 2014 में चुनाव जीते लेकिन 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए। 1998 में इस सीट से गांधी परिवार के करीबी कैप्टन सतीश शर्मा चुनाव लड़े थे। उसके बाद से लगातार यह सीट गांधी परिवार के लिए आरक्षित रही है। अमेठी में कांग्रेसी राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की मांग कर रहे थे। दिल्ली तक पैरवी की गई लेकिन आज जारी सूची में सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा के नाम का एलान हुआ है। 1976 में गांधी परिवार ने अमेठी में दस्तक दी थी। संजय गांधी ने यहां पर पहुंच कर श्रमदान करके सियासी भूमि तैयार की।1977 के पहले चुनाव में कांग्रेस के संजय गांधी चुनाव हार गए थे। 1980 में वह चुनाव जीते लेकिन उसी साल विमान हादसे में उनका निधन हो गया। इसके बाद उपचुनाव में राजीव गांधी ने राजनीतिक पारी शुरू की। 1984, 1989, 1991 में राजीव गांधी लगातार जीते। 1984 में राजीव गांधी का सियासी मुकाबला छोटे भाई की पत्नी मेनका गांधी से हुआ।राजीव गांधी के निधन के बाद हुए उपचुनाव में 1991 में कैप्टन सतीश शर्मा ने चुनाव लड़कर जीत हासिल की। वह राजीव गांधी के करीबियों में शामिल थे। 1996 में भी चुनाव जीते लेकिन 1998 में हार गए। 1998 में भाजपा के संजय सिंह ने जीत दर्ज की थी।अमेठी के सांसद 1967 और 1971 में विद्याधर बाजपेई कांग्रेस जीते।1977 रवींद्र प्रताप सिंह भारतीय लोक दल,1980 संजय गांधी कांग्रेस, 1981 ,1984 , 1989 और 1991में राजीव गांधी कांग्रेस,1991 और1996 में सतीश शर्मा कांग्रेस, 1998 में संजय सिंह भाजपा,1999 में सोनिया कांग्रेस ,2004, 2009 और 2014 में राहुल गांधी कांग्रेस तथा 2019 में स्मृति जूबिन इरानी भाजपा चुनकर संसद पहुंची।

गोपाल राय ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह को 54 दलों का सौंपा समर्थन पत्र

लखनऊ। शुक्रवार भवानीगंज में संतोष राय द्वारा आयोजित जनसभा में राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं 54 रजिस्टर्ड दलों द्वारा विकसित भारत संकल्प महासंघ के संयोजक गोपाल राय ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह को समर्थन पत्र सौंपा उक्त अवसर पर श्री राय ने कहा की तीसरी बार प्रचंड बहुमत से फिर बनेगी मोदी सरकार वहीं क्षेत्र के मतदाताओं से अपील किया कि नरेंद्र मोदी जी का नारा अबकी बार 400 पार भारी बहुमत से जीत सुनिश्चित करवा कर मोदी जी के सपनों का भारत बनाने में उनका हाथ मजबूत करें नरेंद्र मोदी जी आपके हर सुख दुख में साथ रहेंगे क्योंकि यह जमीन से जुड़े हुए नेता है वही श्री राय ने कहा कि अब तक गरीबों के लिए भाजपा ने बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई है जैसे उज्जवल योजना से लेकर आवास योजना आयुष्मान योजना ऐसी बहुत सारी योजनाएं है जिससे अनेक लोग लाभान्वित हुए हैं वहीं ज्ञातव्य हो की श्री राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री एवं पूर्व में गृह मंत्री भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए बहुत विकास किया है यह देश के लोकप्रिय नेता हैं सभी जाति धर्म के लोगों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते है ऐसे महान नेता को हम सब प्रचंड बहुमत से जीताने का संकल्प लेते हैं।

सांई बाबा की मूर्ती स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - महर्षि वाल्मीकि निर्धन कन्या विवाह समिति के संचालक एंव अध्यक्ष पुजारी राजेश वाल्मीकि द्वारा सांई बाबा की मूर्ती स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक विशाल भंडारे का आयोजन लखनऊ के वाल्मीकिपुरी निकट मोहन मेकिंग, इरादत नगर स्थित वाल्मकेश्वर मंदिर प्रांगण में किया गया, जिसमें पूरे क्षेत्र से हजारों की संख्या में पहुंचकर लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। समिति के संचालक पुजारी राजेश वाल्मीकि ने बताया विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महर्षि वाल्मीकि निर्धन कन्या विवाह समिति के तत्वाधान में इस विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में बच्चे, महिलाएं व पुरुष पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किए, वहीं देर शाम तक इस विशाल भंडारे में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के पहुंचने का सिलसिला भी जारी रहा, जहां लोगों ने सांई बाबा के भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर अपने अपने घरों को रवाना हुए। प्रत्येक वर्ष इस तरह का आयोजन वाल्मकेश्वर मंदिर परिसर में किया जाता है, जिसमें समिति तथा संभ्रांत लोगों के सहयोग से इस तरह का सफल आयोजन होता है। वही इस विशाल भंडारे को लेकर युवाओं में काफी उत्साह रहता है तो देर शाम तक युवा भंडारे का कुशल संचालन भी करते हैं।

भाजपा लो.स. प्रत्याशी के नामांकन आशीर्वाद समारोह में उमड़ा जन सैलाब

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता

रायबरेली - भारतीय जनता पार्टी लोक सभा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के नामांकन आशीर्वाद समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्य मंत्री ब्रजेश पाठक प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य, प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला,प्रदेश महामंत्री पूर्व सांसद प्रियंका रावत, राज्य सभा सांसद संजय सेढ़, तथा लोकसभा प्रभारी वीरेंद्र तिवारी,व ज़िला प्रभारी पीयूष मिश्रा सभी ने सभा को संबोधित किया साथ ही अपार जन समूह के साथ रोड शो किया। इस अवसर पर उंचाहार के विधायक डॉ. मनोज पांडेय के पुत्र राज पांडेय व भाई अमिताभ पाण्डेय सहित उनके परिवार के सदस्यों, व रेनु सिंह के साथ आई सैकड़ो महिलाओ को उपमुख्य मंत्री द्वारा पार्टी की सदस्यता दिलाई गयी।

नामांकन आशीर्वाद समारोह में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 10 वर्ष के कार्य व मोदी की गारंटी पर रायबरेली की जानता अमेठी की तरह इस बार वी.आई.पी.नामदार प्रत्याशी को हराने का कार्य करेगी।卐 नामांकन में लोक सभा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के प्रस्तावक रहे ज़िलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी, पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडेय, सत्येन्द्र पटेल ज़िलाध्यक्ष अपना दल, अंजलि मौर्य पूर्व प्रत्याशी विधान सभा उँचाहार,। व मच पर उपस्थित पूर्व विधायक गजाधर सिंह,राम लाल अकेला, आशा किशोर, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, ज़िला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी,अनीता श्रीवास्तव, पप्पू लोहिया, पशुपति शंकर बाजपेयी, अजय त्रिपाठी, विशाल पांडेय,

पंकज मुरारका, आर बी सिंह, मुकेश गुप्ता, वीरेंद्र सिंह,शिवेंद्र सिंह, समाज सेवी मुकेश सिंह,अनुभव कक्कड़,पूर्णिमा श्रीवास्तव,वीरेंद्र गौतम,विवेक शुक्ला, प्रमुख दलबहादुर सिंह, सतेंद्र सिंह, प्रमुख अमन सिंह, चेयर मैन शिवगढ़ सुमन गौतम, ब्रजेश दत्त गौड़, भगवत किशोर सिंह, विजय सिंह, जन्मेजय सिंह, सहित पार्टी के सभी ब्लॉक प्रमुख, चेयर मैन, जिला पंचायत सदस्य, प्रधान, बी. डी. सी. पार्टी के ज़िला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, मोर्चो के अध्यक्ष, सहित भारी जनसैलाब उपस्थित रहा। सुपर मार्केट से चलकर पार्टी प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह, चंदापुर शिव मंदिर में पूजा अर्चना किया, व हाथी पार्क स्थित बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत कई स्थानों पर आशीर्वाद समारोह के पश्चात डिग्री कॉलेज चौराहा स्थित मंदिर पर पूजा कर शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया7

छात्र प्रदर्शनों ने खोली अमरीकी पाखंड की पोल

वैसे यह भी हैरानी की बात है कि अमरीका दुनिया में ज्यादातर उन्हीं देशों का समर्थन करता है जो निरंकुश सत्ता के पालक हैं। अमरीका की विचार स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की नीतियां केवल उसकी विदेश नीति के हथियार हैं जिनके अर्थ उसके अपने हितों के अनुसार बदलते रहते हैं

इजरायल और हमास में जंग रुकने का नाम नहीं ले रही। आतंकवादी संगठन हमास ने इजराइल के अनेकों नागरिकों को बन्धक बना रखा है। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में जंग चल रही है जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन न हमास बन्धकों को छोड़ने को तैयार है और न इजराइल बिना बन्धकों को मुक्त कराए जंग रोकने को तैयार है। कहीं कहीं मामला यहूदी बनाम मुसलमान भी बनता जा रहा है। अब तो मुसलमान के अतिरिक्त शिया मजहब का पैरोकार इरान भी हमास के पक्ष में कूद पड़ा है जबकि पाकिस्तान में मुसलमान शिया मजहब वालों के इबादतखानों पर लगातार हमला करते रहते हैं। लेकिन हमारा मकसद इजरायल-हमास की इस लड़ाई पर चर्चा करना नहीं है और न ही यहूदी-मुसलमान-शिया के इतिहास की भीतरी परतों को उखाड़ना है। हमारा मकसद इस जंग से पैदा हुए एक दूसरे हालात की चर्चा करना है जिसने अमरीका की पोल खोल दी है। इस जंग को लेकर अमरीका के विश्वविद्यालयों में एक जोरदार बहस छिड़ गई है जिसमें अध्यापक और शागिर्द दोनों ही पूरे जोश से हिस्सेदारी कर रहे हैं। इस विषय को लेकर विचार गोष्ठियां हो रही हैं। इन विचार गोष्ठियों में कोई इजराइल का पक्ष लेता है और कोई फिलस्तीन का पक्ष लेता है। लेकिन मामला यहीं तक रहता तब कोई बखेड़ा खड़ा नहीं होता। अमरीका अपने आप को मानव अधिकारों और विचार स्वतंत्रता का सबसे बड़ा अलम्बरदार मानता और मनवाता है। इसलिए ये विचार गोष्ठियां उसकी इस छवि को निखारने वाली ही थीं। लेकिन मामला विचार गोष्ठियों तक नहीं रहा। मामला आगे बढ़ गया। छात्र और अध्यापक गोष्ठी कक्षों से बाहर निकल कर विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन करने लगे। जिंदाबाद-मुर्दाबाद से परिसर गूंजने लगे। कहीं प्रदर्शन इजराइल के पक्ष में हो रहा है और कहीं प्रदर्शन फिलस्तीन के पक्ष में हो रहा है। अनेक स्थानों पर तो प्रदर्शनकारी धरने पर ही बैठ गए। अब अमरीका में बहुत लम्बे अरसे से खड़ी स्वतंत्रता की देवी हिलने लगी। वह भी गुस्से में आ गई लगती है। उसका मानना है कि 'इस प्रकार' की स्वतंत्रता ठीक नहीं है। 'उस प्रकार' की स्वतंत्रता ही ठीक है। शुरू में यह समझ में नहीं आ रहा था कि इनसे क्या अभिप्राय है, लेकिन जल्दी ही मामला स्पष्ट हो गया जब पुलिस ने इजरायल के पक्ष में प्रदर्शन कर रहे छात्रों को तो कुछ नहीं कहा, लेकिन फिलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे छात्रों की धर पकड़ शुरू कर दी। कोलम्बिया विश्वविद्यालय में तो पुलिस की बर्बरता ने सभी हदें पार कर दीं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों की अनुमति के बिना ही पुलिस विश्वविद्यालय परिसर में घुस गई। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों तक को हथकडियां लगाई गईं और धक्के मार मार कर उन्हें पुलिस की गाडियों में ठूंस दिया गया। छात्रों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उनका विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रतिबन्धित कर दिया। उनकी एडमिशन तक कैंसिल की जाने लगी। दरअसल इस जंग में अमरीका इजराइल का साथ दे रहा है। उसे अरबों रुपए के हथियार बेच रहा है। इसलिए जब विश्वविद्यालयों में इजराइल के पक्ष में प्रदर्शन होते हैं तो वे अमरीका की स्वतंत्रता की देवी के हिसाब किताब से 'इस प्रकार' की स्वतंत्रता में आते हैं। जो फिलस्तीन के हक में प्रदर्शन होते हैं, वे 'उस प्रकार' की स्वतंत्रता के घेरे में आते हैं, जिसकी अनुमति अब अमरीका देने को तैयार नहीं है। इस मामले में कुछ भारतीय छात्रों को भी पकड़ लिया गया है। हम यहां इस बात की चर्चा नहीं कर रहे कि इजराइल ठीक है या हमास-फिलस्तीन। हमारी चर्चा अमरीका के पाखंड की है जिसकी परतें खुल रही हैं। अमरीका सारी दुनिया को उपदेश ही नहीं देता बल्कि 'विचार स्वतंत्रता' के नाम पर दुनिया में थानेदार की भूमिका निभाने की कोशिश भी करता रहता है। फिलस्तीन के पक्ष में जिन भारतीय छात्रों को अमरीका ने पकड़ा है, मान लीजिए वही छात्र भारतीय विश्वविद्यालय में फिलस्तीन के पक्ष में प्रदर्शन करते और विश्वविद्यालय उन पर एक्शन करता तो अमरीका फतवा जारी करना शुरू कर देता कि भारत में तानाशाही आ रही है। विचार स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है। लेकिन जहां तक उसके अपने घर में यही मसला सामने आता है तो वह विचार स्वतंत्रता का गला घोंट ही नहीं रहा बल्कि उसको काट रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि अमरीका पुलिस के खुफिया लोग विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर छात्रों और प्राध्यापकों की जासूसी करते हैं, उनके व्यक्तिगत जीवन में तांकझांक करते हैं ताकि यह पता रहे कि कौनसे लोग इजराइल को लेकर अमरीका की घोषित नीति के खिलाफ हैं। यह सब तब हो रहा है जब अमरीका के तथाकथित बुद्धिजीवी जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के टुकड़े टुकड़े गैंग का विचार स्वतंत्रता के नाम पर समर्थन करते देखे जाते हैं। इजराइल-फिलस्तीन का मसला ऐसा पहला मसला नहीं है जिसमें अमरीका अपने असली रूप में सामने आया है। ऐसे अनेकों मसले हैं जिन पर अमरीका और उसके सत्ताधीश अपना असली रूप दिखाते रहते हैं। मसलन पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प का मसला ही ले लिया जाए। वे एक बार फिर राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने के लिए मैदान में हैं। उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है। कुछ महीने में ही चुनाव होने वाले हैं। मौजूदा राष्ट्रपति भी मैदान में हैं। उनको लगता है कि शायद वे चुनाव के मैदान में तो ट्रम्प का मुकाबला शायद न कर पाएं, इसलिए वे कचहरियों की मदद से ट्रम्प को मैदान से बाहर करना चाहते हैं। उनका मकसद है किसी तरह किसी केस में कचहरी ही उन पर चुनाव लड़ने का प्रतिबन्ध लगा दे। यह सब कुछ भी स्वतंत्रता की देवी के नाम पर ही किया जा रहा है। लेकिन मान लो भारत में कोई कचहरी किसी प्रत्याशी को किसी मामले में सजा सुना देती है जिसके चलते वह चुनाव लड़ने के अयोग्य हो जाता है तो अमरीका फतवे जारी करता है। दूसरों को नसीहत और खुद मियां फजीहत। यदि थोड़ा और पीछे जाएं तो अफ्रीकी मूल के अमरीकी नागरिकों के साथ जो व्यवहार अमरीकी सत्ता करती है, वह किसी से छिपा नहीं है। चोरी कहीं भी हो, अमरीकी पुलिस तुरन्त किसी अफ्रीकी मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार कर लेती है। ऐसे किसी व्यक्ति को किसी छोटे से बहाने पर किसी काले नागरिक को गोली मार देना, अमरीका में कोई आश्चर्य की बात नहीं होती। एक भारतीय महिला को अपनी कार से कुचलने वाले पुलिस अधिकारी, उसको अस्पताल में पहुंचाने की बजाय जब आपस में हंस हंस कर कह रहे थे कि इन लोगों की औकात ही क्या है, को न्यायालय ने

बरी कर दिया तो वहां के मीडिया के माथे पर शिकन तक नहीं पड़ी। ये सब उदाहरण अमरीका के पाखंड की पोल खोलने के लिए काफी हैं। दरअसल अमरीका जब मानव अधिकारों और विचार स्वतंत्रता की बात करता है तो वह उसके राजनीतिक व रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए ही होती है। वह चीन को अपनी सुविधा के लिहाज से प्रमाणपत्र देता है। उसके लिहाज से पाकिस्तान से बड़ा कोई लोकतांत्रिक देश नहीं है। वैसे यह भी हैरानी की बात है कि अमरीका दुनिया में ज्यादातर उन्हीं देशों का समर्थन करता है जो निरंकुश सत्ता के पालक हैं। अमरीका की विचार स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की नीतियां केवल उसकी विदेश नीति के हथियार हैं जिनके अर्थ उसके अपने हितों के अनुसार बदलते रहते हैं। अमरीकी विश्वविद्यालयों में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों से किया जा रहा बर्बर व्यवहार इसका प्रतीक है। भारत को लेकर उसके व्यवहार का कारण विचार स्वतंत्रता नहीं बल्कि 'कलैश ऑफ सिविलाईजेशन' ही कहा जा सकता है।

संपादकीय

मोबाइल के बाहर भी हैं वाट्सएप विश्वविद्यालय

पिछले करीब दस वर्षों से भारत में वाट्सएप यूनिवर्सिटी के तो खूब चर्चे होते आये हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता था कि इसके समांतर ही देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के जरिये भी ज्ञानगंगाएं प्रवाहित हो रही है जो युवाओं को उसी तरह से दीक्षित कर रहे हैं जैसे कि वाट्सएप विवि। इसका एक उदाहरण दिल्ली में दिखलाई दिया जब देश की राजधानी से सटे ग्रेटर नोएडा के एक निजी विवि के छात्र-छात्राओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस विश्वविद्यालय में पल्लवित हो रही प्रतिभाओं के बारे में शायद ही लोगों को पता चल पाता लेकिन एक न्यूज चौनल के पत्रकार ने इस प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों के ज्ञान की जांच कर ली जो विरोध प्रदर्शन करने के लिये बुधवार को कांग्रेस के मुख्यालय की ओर जा रहे थे। आश्चर्य की यह बात सामने आई कि प्रदर्शन कर रहे जा रहे छात्रों में से कोई भी यह नहीं समझा पाया कि वे प्रदर्शन क्यों कर रहे थे। और तो और, उनके हाथों में जो तख्तियां थीं उनका अर्थ बतलाना तो दूर, वे उसे पढ़ तक नहीं पा रहे थे। जब पत्रकार ने युवाओं के हाथों में लगी तख्तियों पर सवाल करने शुरू किये तो पता चला कि उन्हें पता तक नहीं था कि किन मुद्दों को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें केवल यह पता था कि वे कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा के समर्थन में हैं। छात्र-छात्राओं के हाथों में जो तख्तियां थीं उनमें लिखा था- पहले लेंगे आपका वोट फिर ले लेंगे मंगलसूत्र और नोट, मां-बहनों के गहनों पर नजर न गड़ाओ, 70 सालों में नहीं दी दीया-बत्ती अब छीन लेंगे आधी सम्पत्तिश, श्नो प्लेस फॉर अर्बन नक्सल आदि। छात्र-छात्राएं विवादित इनहेरिटेंस टैक्स या भाजपा के कथित विकसित भारत की अवधारणा तथा वास्तविकता के बारे में कुछ भी बतला नहीं पा रहे थे। यहां तक कि कांग्रेस के जिस घोषणापत्र का वे विरोध कर रहे थे, उसे किसी ने पढ़ा तक नहीं था। जाहिर है कि वे उसके बारे में वही सब कुछ कह रहे थे जो उन्हें बताया गया था या जो वाट्सएप विवि के माध्यम से उनके मोबाइलों तक पहुंच रहा है। छात्र जो तख्तियां हाथों में लिये हुए थे, उन पर लगभग वे ही नारे लिये हुए थे जो भाजपा के होते हैं। इनमें कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन की सरकार बनने पर लोगों का सोना और मंगलसूत्र छीन लेने की बात लिखी गयी थी। इस पर जब रिपोर्टर ने प्रश्न किये तो छात्र विषय से पूर्णतरू अनभिज्ञ साबित हुए। साफथा कि उनके हाथों में ये तख्तियां पकड़ाई गयी थीं। अब यह शोध का विषय हो सकता है कि आखिर उन्हें ये नारे लिखकर किसने दिये और छात्रों से इस प्रकार का प्रदर्शन करवाने का औचित्य क्या था। फिर, क्या छात्रों की खुद की समझ इतनी भी नहीं है कि वे किसी के उकसाने पर या कहने पर ऐसा प्रदर्शन करने चले आये। निजी यूनिवर्सिटी में फीस, अधोसंरचना एवं सुविधाओं को देखें तो पता चलता है कि उसमें अच्छे-खासे खाते-पीते लोगों के बच्चे ही पढ़ सकते हैं। अगर ऐसे शिक्षण संस्थान में पढ़ने वालों की राजनैतिक समझ ऐसी हो तो अर्द्ध शिक्षित युवाओं को बहका पाना कितना आसान है, यह भी इस प्रदर्शन को देखकर समझा जा सकता है।

भरी सरकारी झोली

यह सुखद ही है कि देश कर संग्रहण सिस्टम में सुधार की दिशा में सार्थक पहल से एक कदम आगे बढ़ा है। देश में पहली बार जीएसटी का संग्रहण दो लाख करोड़ रुपये से पार चला गया है। कर विशेषज्ञ इसे टैक्स सिस्टम में सुधार के प्रयासों की सफलता बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य उसके समृद्ध आर्थिक संसाधनों पर ही निर्भर होता है। भारत के अड़ोस-पड़ोस के कई देशों की अर्थव्यवस्था नियोजन के अभाव, भ्रष्टाचार तथा लोकलुभावन नीतियों के व्यय बोझ से चरमरा गई। इसलिये आर्थिक अनुशासन और वित्तीय संसाधनों को समृद्ध करने का प्रयास बेहद जरूरी हो जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जहां देसी गतिविधियों से कर संग्रह में 13.4 फीसदी का इजाफा हुआ है, वहीं पिछले अप्रैल के मुकाबले में आयात से होने वाला राजस्व संग्रह भी 8.3 फीसदी बढ़ा है। निश्चय ही चालू वित्त वर्ष के पहले ही महीने यानी अप्रैल में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पहली बार रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये होना अर्थव्यवस्था के लिये शुभ संकेत है, जबकि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में फिलहाल मंदी के रुझान नजर आ रहे हैं। यह वृद्धि बीते साल अप्रैल में एकत्र जीएसटी के मुकाबले 12.4 फीसदी अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध तथा गजा में हमास इस्राइल संघर्ष जैसी बाह्य चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि देश की आर्थिक उन्नति के लिये अच्छा संकेत है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी के मूल में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के रुझानों का असर है। उल्लेखनीय है कि वृद्धि आयात उपकर में भी हुई है। वैसे एक तथ्य यह भी है कि आम तौर पर किसी भी नये वित्तीय वर्ष में पहले माह अप्रैल में सरकार को सर्वाधिक वस्तु एवं सेवा कर मिलता है। इस वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रहण से होने वाली आय से अर्थव्यवस्था के स्थायी रुझानों का पता चल सकेगा।निश्चित रूप से आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि किन-किन महीनों में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये का आकंड़ा पार करता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई। यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार, सिक्किम, मेघालय नगालैंड को छोड़कर सभी राज्यों में इस साल के पहले महीने जीएसटी राजस्व में वृद्धि हुई है।

एक बार फिर भाजपा का सांप्रदायिक, विघटनकारी एजेंडा?

बहुसंख्यकवादी राष्ट्रवाद हमेशा से चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए सांप्रदायिक विघटनकारी एजेंडा और नफ़रत का इस्तेमाल करता आया है। हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के मोड्यूल के दो मुख्य आधार हैं- पहला, प्राचीन भारत, जिसके समाज में मनुस्मृति के मूल्यों का बोलबाला था और दूसरा, इतिहास, विशेषकर मध्यकालीन इतिहास को तोड़ना-मरोड़ना. इस सिलसिले में ये झूठ जम कर प्रसारित किये जाते हैं कि मुस्लिम शासकों ने बड़े पैमाने पर हिन्दू मंदिर तोड़े और हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बनाया।

यह तो हुए मूल आधार। हिन्दू राष्ट्रवादी इस मोड्यूल में समय-समय पर अपने विशाल नेटवर्क की मदद से नए बिंदु जोड़ते रहते हैं। अब तक बाबरी मस्जिद के ढहाने को इस आधार पर औचित्यपूर्ण ठहराया जाता रहा है कि मुगल शासकों ने हिन्दुओं को नीचा दिखाने के लिए हिन्दू मंदिर नष्ट किये। यह एक बड़ा झूठ है। इस (2024 के) आम चुनाव में मांस खाने को एक बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। हाल में एक तस्वीर सामने आई जो आठ अप्रैल की थी और जिसमें राजद नेता तेजस्वी यादव को मछली खाते हुए दिखाया गया था। नवरात्रि और सावन के महीने में कई हिन्दू मांसाहारी भोजन नहीं करते। इस साल नवरात्रि 9 अप्रैल से शुरू हुए। मगर फिर भी तेजस्वी को यह कह कर बदनाम किया गया कि वे पवित्र दिनों में मांसाहार कर रहे हैं! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने, सांप्रदायिक प्रचार करने और सांप्रदायिक इतिहास लेखन का प्रयोग कर नफ़रत फैलाने में महारत हासिल है। उन्होंने मछली द्वारा उन्हें दिए अवसर का भरपूर उपयोग किया। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल सावन के महीने में राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव ने मटन पकाया और खाया था। बड़ी चालाकी से उन्होंने सावन में मटन खाने को मुगलों द्वारा मंदिरों को नष्ट करने से जोड़ा। उन्होंने कहा, जब मुगलों ने भारत पर हमला किया तो वे केवल राजा को हरा कर संतुष्ट नहीं होते थे। वे तभी संतुष्ट होते थे जब वे मंदिरों को तोड़ देते थे और आराधना स्थलों को नष्ट कर देते थे। उन्हें इसमें आनंद आता था। इसी तरह, सावन के महीने में यह वीडियो दिखाकर वे लोग मुगल मानसिकता से देश के लोगों को भड़काना चाहते हैं। मोदी के अनुसार, उनके राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों ने वोट बैंक की राजनीति के तहत ये वीडियो प्रसारित किये। राजाओं द्वारा मंदिरों को नष्ट करने के मसले पर रिचर्ड ईटन समेत कई जाने-माने इतिहासकारों ने व्यापक शोध किया है। उन्होंने पाया है कि हिन्दू राजाओं ने भी मंदिर तोड़े। और दूसरी ओर, कई मुस्लिम राजाओं ने हिन्दू मंदिरों को दान दिया। कल्हण की राजतरंगिणी बताती है कि कश्मीर के हिन्दू राजा हर्षदेव ने मंदिरों से सोने और चांदी से बनी मूर्तियां उखाड़ कर शाही खजाने में जमा करने के लिए एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की थी और औरंगजेब ने हिन्दू मंदिरों को दान दिए थे। सांप्रदायिक राष्ट्रवादी प्रोपेगेंडा का पहला और सबसे बड़ा शिकार होता है सच। सांप्रदायिक मानसिकता जिस ढंग से चीजों की विवेचना करती है, जिस तरीके से निष्कर्षों पर पहुंचती है, उसका यथार्थ से कोई लेना-देना नहीं होता। कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र, जिसे न्याय पत्र का नाम दिया गया है, के जारी होने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कह दिया कि उस पर मुस्लिम लीग की छाया है। तथ्य यह है कि न्याय पत्र समाज के सभी कमजोर वर्गों के साथ सकारात्मक न्याय करने की बात करता है। मोदी के कुनबे के अन्य सदस्य भी इसी तरह की बातें करते रहते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके प्रदेश में अपराधियों को या तो जेल जाने पड़ेगा या जहन्नुम (इस्लाम में नर्क के लिए प्रयुक्त शब्द)। इसी तरह, आदित्यनाथ ने हाजी मलंग का मामला भी उठाया। मुंबई के नजदीक स्थित इस पवित्र स्थल को हिन्दू आराधना स्थल श्मलंग गढ़श् बताया जा रहा है। करीब तीन दशक पहले कर्नाटक में अपनी जड़ेंध् जमाने के लिए भाजपा ने बाबा बुधनगिरी दरगाह को मुद्दा बनाया था। मोदी यह डर भी फैला रहे हैं कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह संपत्ति का पुनर्वितरण करेगा और घुसपैठियों को संपत्ति करेगा। दूसरे शब्दों में, बांग्लादेश से आये मुसलमानों को दूसरों की संपत्ति मिल जाएगी। साथ ही वे यह भी कहते हैं कि कांग्रेस आपकी संपत्ति उन लोगों को दे देगी जिनके ज्यादा बच्चे हैं। कुल मिलकर, वे यह कहना चाहते हैं कि कांग्रेस मुसलमानों का तुष्टिकरण कर रही है। घुसपैठियों के नाम पर जो हौआ खड़ा किया जा रहा था उसकी हवा तो आसाम में की गई एनआरसी की कवायद में ही निकल गई थी। जिन 19 लाख लोगों के पास अपनी नागरिकता को साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं थे, उनमें से 13 लाख हिन्दू थे। जबकि दावा यह किया जा रहा था कि भारत में करोड़ों बांग्लादेशी घुसपैठिये रह रहे हैं (अमित शाह के शब्दों में दीमक). जहां तक ज्यादा बच्चे पैदा करने का प्रश्न है, ताजा आंकड़ों के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर में गिरावट आ रही है और वर्तमान में, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर, राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू महिलाओं से थोड़ी ही अधिक है और अगर यही सिलसिला जारी रहता है, तो कुछ ही सालों में वह बराबर हो जाएगी। हिन्दू दक्षिणपंथी यह प्रचार भी कर रहे हैं कि डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहला हक है। डॉ सिंह की जिस टिप्पणी को उद्दृत किया जा रहा है, वह उन्होंने सन् 2006 में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक दृष्टि से मुसलमानों की स्थिति दयनीय है और उसमें और गिरावट आती जा रही है। उन्होंने जो कहा था वह यह थारू श्मुझे विश्वास है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं साफ हैंरू कृषि, सिंचाई, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना में जरूरी निवेश, सामान्य अधोसंरचना में आवश्यक सार्वजनिक निवेश और अनुसूचित जातियों,जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों की प्रगति के लिए कार्यक्रम।इन सभी उदाहरणों से साफ है कि हिन्दू दक्षिणपंथी अपने राजनैतिक हितों को साधने के लिए तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने में कितने उस्ताद हैं। वे केवल विघटनकारी राजनीति के बल पर जिंदा हैं। मुसलमानों के खिलाफनफ़रत फैलाना और जो लोग तार्किक आधारों पर कमजोर तबकों की भलाई के लिए सकारात्मक कार्रवाई की बात करते हैं, उनकी निंदा करना ही इनका मुख्य काम है।पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रोपेगेंडा हथियारों की धार औरतेज हुई है और उनका तंत्र का और विस्तार हुआ है। नतीजा यह कि वे अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों, का दानवीकरण करने के लिए मनगढ़ंत नैरेटिव का निर्माण करने में और सक्षम हो गए हैं। दक्षिणपंथी गिरोह उन लोगों को हिन्दू-विरोधी कहता है जो प्रजातान्त्रिक तौर-तरीकों और संवैधानिक मूल्यों के पैरोकार हैं। इस समय, मीडिया भाजपा के साथ है और एक ऐसी आम सामाजिक समझ निर्मित करने का प्रयास कर रहा है जो भारत के बहुवादी संस्कारों के खिलाफहै।

चुनाव की पूर्वसंध्या पर राजनीतिक गिरफ्तारियों को जायज ठहराने में व्यस्त एजेंसियां

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजनीतिक हस्तियों की गिरफ्तारी के समय के बारे में सर्वोच्च न्यायालय के सवाल ऐसे कार्यों के औचित्य और निहितार्थ के बारे में बढ़ती चिंताओं को उजागर करते हैं, खासकर जब इसे चुनावी कैलेंडर के साथ जोड़ा जाता है। शीर्ष अदालत की चिंताएं राजनीतिक प्रभाव के साधन के रूप में केंद्रीय एजेंसियों के संभावित दुरुपयोग की आशंका जताती हैं, जो निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के लोकतांत्रिक लोकाचार को कमजोर कर सकता है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामले मे ंमनीलॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी उनके इस्तीफे के बाद हुई, जो एक ऐसा कदम था जो चुनाव के समय से मेल खाता था। सर्वोच्च न्यायालय ने सोरेन की अंतरिम जमानत की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें उनकी गिरफ्तारी के आसपास की परिस्थितियों की न्यायिक जांच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। सोरेन की गिरफ्तारी का समय, जो लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के राजनीतिक लाभ के लिए उपकरण के रूप में इस्तेमाल किये जाने की संभावना पर सवाल उठाता है। इसी तरह, उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी भी सर्वोच्च न्यायालय के विचारण के दायरे में आ गई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय के पीछे का तर्क बताने को कहा है, जो चुनाव से ठीक पहले हुई थी। समय के पहलू को समझने पर अदालत का जोर ऐसी गिरफ्तारियों की संवेदनशील प्रकृति और चुनावी प्रक्रिया पर उनके संभावित प्रभाव की न्यायिक स्वीकृति का संकेत देता है। इन मामलों में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थानों की पवित्रता को बनाये रखने के उद्देश्य से न्यायिक निरीक्षण के व्यापक पैटर्न का हिस्सा हैं। गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाकर, अदालत प्रभावी रूप से यह सुनिश्चित करना चाहती है कि केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक साजिशों में उलझे बिना, कानून और निष्पक्षता के दायरे में काम करें। अदालत की कार्रवाइयां उस नाजुक संतुलन की याद दिलाती हैं जिसे कानून के प्रवर्तन और लोकतांत्रिक सिद्धांतों क6 संरक्षण के बीच बनाये रखा जाना चाहिए। संवैधानिक मूल्यों के संरक्षक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका चुनाव के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जब राजनीतिक माहौल गर्म होता है, और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयां गहन सार्वजनिक जांच के अधीन होती हैं। संक्षेप में, ईडी की कार्रवाइयों के औचित्य पर सर्वोच्च न्यायालय के प्रश्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों की शक्तियों पर एक महत्वपूर्ण जांच का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे ऐसी एजेंसियों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करते हैं, विशेष रूप से राजनीतिक नेताओं के साथ उनकी बातचीत और चुनावी परिणामों पर संभावित प्रभाव के संदर्भ में।

जैसा कि सम्पूर्ण देश आज सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन हाई-प्रोफ़ाइल मामलों से निपटने को देख रहा है, संदेश स्पष्ट है रू कानून का शासन कायम रहना चाहिए, और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा की जानी चाहिए। अदालत का रुख चुनावी शतरंज के खेल में केंद्रीय एजेंसियों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने के किसी भी प्रयास के खिलाफएक कवच के रूप में कार्य करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत की लोकतांत्रिक भावना जीवंत और अजेय बनी रहे। सत्ताधारी पार्टी की राजनीतिक फंडिंग में भारी योगदान देने के लिए कॉरपोरेट्स को मजबूर करने के लिए ईडी और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग गहन जांच और बहस का विषय रहा है। जबकि इन एजेंसियों द्वारा दबाव डालकर चुनावी बांड के माध्यम से सत्ताधारी पार्टी को धन दिलवाना जारी रहा है, विपक्षी दलों द्वारा चुनावी निर्णयों को प्रभावित करने में उनकी भूमिका भी आज की राजनीतिक कथा में एक नया अध्याय दर्शाती है। इन एजेंसियों द्वारा राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी का सहारा सत्तारूढ़ दल द्वारा प्रवर्तन एजेंसियों के दुरुपयोग में एक और स्पष्ट मोड़ का प्रतीक है। चुनावों में समान अवसर को खत्म करने के लिए सत्ताधारी दल द्वारा इन एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों को चुनाव आयोग के ध्यान में लाया गया है, जिसने हालांकि अब तक मूकदर्शक के रूप में ही काम किया है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस पार्टी ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा अपने नेताओं को कथित तौर पर निशाना बनाये जाने के खिलाफआयोग से हस्तक्षेप की मांग की थी, लेकिन इस पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय का यह सवाल कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आम चुनाव शुरू होने से ठीक पहले क्यों गिरफ्तार किया गया, को समझाने के लिए ईडी को काफी स्पष्टीकरण की जरूरत होगी। पीठ ने ईडी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या केंद्रीय एजेंसी मामले में न्यायिक कार्रवाई के बिना आपराधिक कार्रवाई कर सकती है। अदालत ने ईडी से कहा है कि वह बताये कि कार्रवाई शुरू होने और गिरफ्तारी के बीच इतना बड़ा अंतर क्यों है, जिसका जवाब संभवतरू अगली सुनवाई में आयेगा।

आज का राशिफल

मेष:- भावना और संवेदनशीलता में बहकर स्त्रीवर्ग से सम्बंध न बांधें। मन दुविधा में रहने से निर्णय लेने में बाधा आ सकती है। प्रवास टालें

वृषभ:- आपको वाद-विवाद में अच्छी सफलता मिलेगी। परिश्रम की अपेक्षा कम प्राप्ति होने पर भी अपने कार्य में आप अग्रसर हो सकेंगे।

मिथुन:- आप वाक्चातुर्य से मीठे सम्बंध बांध सकेंगे, जो कि भविष्य में आपके लिए लाभदायी सिद्ध होंगे। वैचारिकरुप से समृद्धि बढ़ेगी।

कर्क:- आज का दिन प्रफुल्लितता से भरा रहेगा। नए कार्य का आरंभ भी आज कर सकते हैं। मित्रों और स्नेहीजनों से भेंट होने से आनंद हो सकता है।

सिंह:- आपके लिए मिश्र फलदायी है आज का दिन। परिजनों के साथ आप अच्छी तरह से समय बिताएंगे। उनका सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या:- आज का दिन परोपकार और सदभावनाओं में बीतेगा। मानसिक रूप से कार्यभार अधिक रहेगा। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला:- आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृश्चिक:- आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। मित्रों के साथ भेंट होगी तथा उनके साथ घूमने-फिरने, आनंद-प्रमोद करने में खर्च होगा।

धनु:- आपकी यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च पदाधिकारी खुश रहने से पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा।

मकर:- बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ करेंगे।

कुंभ:- आपको आज निषेधात्मक कार्यों और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह देते हैं। झगड़े- विवाद से बचें, क्रोध और वाणी पर संयम रखें।

मीन:- दैनिक कार्यों से बाहर निकल कर आज आप घूमने-फिरने और मनोरंजन के पीछे समय बिताएंगे। व्यवसाय में भागीदारी के लिए शुभ समय है।

बाहरी भगाओ जिला बचाओ अभियान

राष्ट्रीय एकीकरण प्रजापति महासंघ और मनरेगा मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भरी हुंकार

● स्वाभिमान और प्रतिष्ठा पर कुठाराघात करने वाले लोगों को कत्तई नहीं बर्दाश्त करेगी हमारे संगठन, ● अंबिका प्रसाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मनरेगा मजदूर संगठन

संतकबीरनगर। 2024 मनरेगा मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंबिका प्रसाद श्रमिक तथा प्रजापति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति के द्वारा सरयू नहर कॉलोनी खलीलाबाद के श्रमिक हाल में ज्वाइंट प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था जिसमें नेताद्वय द्वारा सर्वसम्मत से निर्णय लेते हुए बाहरी भागो जिला बचाओ के मुहिम को तेज करते हुए कार्यक्रम जारी रखा जाएगा। बताते चलें कि मनरेगा मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंबिका प्रसाद श्रमिक ने बताया कि हम वर्तमान लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण निषाद जी के पंचवर्षीय समय अत्यंत मूल्य विहीन और निराशा जन्य कार्यकाल को देख चुके हैं और जब सांसद चुनने का समय आया है तो उसे समय को हम खोने नहीं देंगे हालांकि मेरा राजनीति से कुछ लेना-देना नहीं है परंतु संत कबीर नगर का निवासी होने के कारण 15 वर्षों से इस जनपद के योग्यताओं का अपमान संत कबीर नगर के सम्मानित जनमानस की अपेक्षा अब हम सहन नहीं कर सकते हम अब तक इस जनपद के उन बड़ी जनप्रतिनिधियों से जो इस जनपद के सम्मान को बचाने का दावा करते रहे हैं उनसे उम्मीद कर रहे थे कि वह जनपद के स्वाभिमान और स्वतंत्रता को बचाने के लिए, निर्वात कारण उठाएंगे परंतु यह देखा गया।

सभी के सभी वह चाहे जिस भी राजनीतिक दल से संबंध रखते हो वह अपने-अपने निजी स्वार्थ के और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए इस लोकसभा के प्रति अपने कर्तव्यों को भूल चुके हैं लोकसभा के जनता के प्रति उदासीनता और पूर्ण लोकसभा सांसद रहते हुए इस लोकसभा के विकास के प्रति अत्यंत उदासीनता के कारण यहां तक की पीएम सिंह जैसे कुछ मुखर समाज से यू सेवीयो के विरोध तो आते हैं तुरंत उनके विरोध का उनके बुरे उनको दबा दिया जाता है जबकि यह बात काफी निंदनीय है भारत के संविधान में सबको अपने विचारों और अभिव्यक्तियों को रखने के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं लेकिन उन संवैधानिक अधिकारों का कहीं ना कहीं हनन किया जाता रहा है इतना ही नहीं हाल ही की घटना में बता दूं मोहम्मदपुर कटिहार की वहां की जनता के द्वारा सांसद पिता राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय संजय निषाद जी से यह पूछने पर की हमारी यह टूटी हुई सड़कें कब बनेगी 5 साल का कार्यकाल अपने समाप्त कर दिया अब क्या लेने आए हैं इसे कॉपी ठोकर लोगों द्वारा बताया गया मंत्री जी द्वारा स्वयं उन सवाल उठाए जाने वाले लोगों के ऊपर हाथापाई करते हुए मारपीट किया गया इतना ही नहीं उनके ऊपर राजनीतिक सत्ता का लाभ लेकर मुकदमे दर्ज करवा दिए गए और वह बेचारे जेल में इस समय है अभी हाल ही में मेंहदावल विधानसभा के सम्मानित विधायक जिसको इसी जनपद की सम्मानित जनता ने मतदान करके अपना विधायक चुना है उनके पुत्र को सिर्फ गाड़ी आगे ले जाने के कारण मंत्री पुत्र द्वारा मारा पीटा और अपमानित किया गया अभी हाल ही में मंडल उपाध्यक्ष दूधनाथ शर्मा को निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष के द्वारा घर कर बुरी तरह मारा पीटा गया और तहरीर बदलकर मुकदमे कालपी कारण करते हुए मामला को इतिश्री कर दिया गया।

इस नाराजगी का कोई नेतृत्व करता ना होने के कारण वह अपनी नाराजगी मुखर नहीं कर पा रहे हैं इसलिए विवश होकर मनरेगा श्रमिक ग्रामीण बेरोजगारों और किसानों के हित में निरंतर कार्य करने वाला आपका यह साथी तथा प्रजापति समाज के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले समाजसेवी और प्रजापति एकीकरण महा अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल प्रजापति उन दबे पिछड़े मजलूम लाचार व्यक्तियों के आवाज को बंद कर उनकी आवाज को उठाएंगे इतना ही नहीं वर्तमान लोकसभा प्रत्याशी श्री प्रवीण निषाद जी को पराजित का कार्य करेंगे नेता अध्यक्ष द्वारा अपने प्रेस वार्ता के दौरान बताया गया कि यह कबीर की धरती है जहां सत्य अहिंसा प्रेम और सद्भावना का संदेश पूरे विश्व को दिया गया है और आज उस सूफी संत महात्मा कबीर की धरती पर दबंगई और गुंडे नहीं होने देंगे चाहे इसके लिए हम लोगों को जो भी कुर्बानी देनी पड़ेगी वह देने के लिए तैयार रहेंगे और आने वाले चुनाव से पहले हम लोग खलीलाबाद के स्थानीय जूनियर हाई स्कूल के प्रांगण में एक महासम्मेलन करने वाले हैं उसी में यह निर्णय लिया जाएगा की जो प्रवीण निषाद को चुनाव में हार रहा है सेकंड फाइटर को हम सभी लोग अपना मत का प्रयोग करेंगे और अपना मतदान देते हुए उसे सेकंड फाइटर को विजई बनाएंगे आज अपने प्रेस वार्ता के माध्यम से 62 लोकसभा संसदीय क्षेत्र खलीलाबाद के युवाओं तथा मतदाताओं से या अनुरोध करते हैं की किसी कर्म से भयभीत न हो भयभीत होने की जरूरत नहीं है आप हमारे साथ इस अपने लोकसभा की आजादी स्वाभिमान और लोकसभा वीडियो की शोषण से मुक्ति के अभियान में सम्मिलित होते हुए आने वाले आगामी 4 जून को अपना निर्णायक भूमिका अदा करें, इस अवसर पर मनरेगा मजदूर संगठन के राष्ट्रीय सचिव रेवती रमण प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश हेमराज मिश्र प्रदेश महा चाचा सचिव गजानन राम प्रदेश कोषाध्यक्ष तबारक हुसैन मनरेगा मजदूर संघ के संत कबीर नगर प्रभारी सोहन राम जिला अध्यक्ष संत कबीर नगर लाल बहादुर जिला कोषाध्यक्ष राजेश जिला महासचिव सलाहुद्दीन जिला सचिव श्रीमती बाला पांडे जिला सचिव श्री राम ललित तथा संत कबीर नगर के सभी ब्लॉक अध्यक्षों सहित प्रजापति एकीकरण महा अभियान के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

राजीनामा का दबाव बनाने के लिए ससुरालीजनों ने विधवा बहू का बंद किया राशन पानी

➪ पुलिस के हस्तक्षेप से दिया गेहूं चना सरसों

भरुआ सुमेरपुर। देवर के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने वाली विधवा बहू पर राजीनामा करने का दबाव बनाने के लिए ससुरालीजनों ने उसका राशन पानी बंद कर दिया। थक हारकर पीडिता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने गांव पहुँचकर ससुरालीजनों को फटकार लगाते हुए पीडिता का राशन पानी मुहैया कराया है। थाना क्षेत्र की एक गांव की महिला के पति की मौत आकाशीय बिजली से 2020 में हो गई थी। पति की मौत के कुछ माह बाद देवर ने शादी का झांसा देकर संबंध बना लिए थे। इधर देवर ने चुपके से शादी की योजना बना ली और गत 15 अप्रैल को तिलक कार्यक्रम तय कर लिया। भनक लगने पर पीड़िता ने तिलक कार्यक्रम से देवर को गिरफ्तार कराकर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। जेल भेजे जाने के बाद ससुर आसाराम, सास गुल्की, जेठ बिंदा, जेठानी निशा और छोटे देवर भानु निषाद ने राजीनामा का दबाव बनाने के लिए पीडिता का राशन पानी बंद कर दिया। इससे परेशान होकर पीडिता अपनी दो नाबालिग पुत्रियों को लेकर थाने पहुंची और ससुरालीजनों के खिलाफ तहरीर देकर राशन पानी बंद करने का आरोप लगाया।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा

संतकबीरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर ने जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/मंत्री को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु ईवी०एम० प्रशिक्षण हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में अस्थाई वेयरहाउस बनाये जाने के संबंध में अवगत कराया है। उक्त के क्रम में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 06, 07, 08 एवं 09 मई. 2024 को ई०वी०एम० प्रशिक्षण दिया जायेगा। उक्त हेतु (स्नातकोत्तर मनोविज्ञान व्याख्यान कक्ष संख्या 2) को अस्थाई वेयर हाउस बनाया जायेगा। उन्होंने बताया है कि जनपद में 1437 मतदेय स्थलों के सापेक्ष प्रशिक्षण कार्य हेतु 07 प्रतिशत अर्थात 101 सी०यू०, 101 बी०यू० तथा 101 वी०वी०पैट ईएमएस पोर्टल पर दर्ज कर उसकी सूची समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दिया गया है, तथा दिनांक 05 मई 2024 को समय 11 बजे से कलेक्ट्रेट कम्पाउण्ड में स्थित वेयरहाउस में उपस्थित होने का कष्ट करें।

नामांकन के चौथे दिन एक निर्दल प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र किया गया दाखिल

संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु आज 01 व्यक्ति द्वारा कुल 02 सेटों में नामांकन पत्र प्राप्त किया गया

संतकबीरनगर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में 62-संत कबीर नगर संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु आज 01 निर्दल प्रत्याशी मित्रसेन यादव पुत्र चन्द्रभान यादव द्वारा रिटर्निंग आफिसर/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया गया। आज कुल 01 व्यक्ति रामप्रवेश मिश्रा पुत्र सम्पूर्णानंद मिश्रा द्वारा राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इण्डिया से नामांकन पत्र प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि नामांकन पत्र प्राप्त किये जाने एवं नामांकन पत्रों को दाखिल/जमा किये जाने की अंतिम तिथि दिनांक 06 मई 2024 सायं 03 बजे तक निर्धारित है। कलेक्ट्रेट परिसर में जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष संख्या-03 को नामांकन कक्ष बनाया गया है।

मधुमक्खियों से बचने में दो बाइकों की हुई भिड़ंत

मौदहा। मधुमक्खियों से बचने के चक्कर में दो बाइक सवारों में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को लहूलुहान हालत में राहगीरों व परिजनों की मदद से कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के उपरांत तीनों बाइक सवारों की हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उन्हें सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राठ रोड में रमना गांव के निकट मधुमक्खियों का छत्ता बीच सड़क में गिर जाने पर मधुमक्खियां मंडराने लगी। जिससे बचने के चक्कर में दो बाइक सवारो मे आपस में जोरदार टक्कर हो गई। जिससे हीरालाल 18 वर्ष पुत्र राकेश निवासी सिलौली बड़े देव बाबा का डेरा एवं दूसरे बाइक सवार हिमांशु 18 वर्ष पुत्र जगदीश निवासी महोबा तथा अरुण 21 वर्ष पुत्र हनुमान निवासी बेरी कुपरा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें लहूलुहान हालत में परिजनों ने कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

पुत्री से फोन पर बात करने का उलाहना देने पर पीटा

भरुआ सुमेरपुर। कस्बे के वार्ड संख्या 9 में इंटर की छात्रा को फोन करने का उलाहना देने पर युवक ने भाइयों एवं पिता के साथ मिलकर छात्रा उसकी मां तथा पिता को लोहे की राडों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। छात्रा के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। कस्बे के वार्ड संख्या 9 के निवासी चंद्रिका प्रसाद ने बताया कि उसकी पुत्री प्रियंका इस वर्ष कक्षा 12वीं की छात्रा है। पुत्री को पड़ोसी युवक पुष्पेंद्र फोन करता है। जिसकी शिकायत पुत्री ने की थी। इसका उलाहना देने वह पुष्पेंद्र के पिता श्यामबाबू के पास गया था। इससे नाराज होकर श्यामबाबू ने अपने पुत्र पुष्पेंद्र, अभिषेक और सौरभ के साथ मिलकर गाली गलौज शुरू कर दी और लोहे की राड से हमला कर दिया।

मेरा वोट मेरा अभिमान विषय पर कराई गई निबंध प्रतियोगिता

मौदहा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मौदहा नगर इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा कस्बे के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मेरा वोट मेरा अभिमान विषय पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई।

विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हम स्वतंत्र भारत के नागरिक हैं, हमें वोट डालने का अधिकार मिला है। हमारा वोट हमारी शान है, हमारा अभिमान है और यही वोट अच्छी सोच और उच्च मानसिकता की पहचान है। अपने और देश के लिए एक ऐसा व्यक्ति चुनना, जिस पर सब गर्व कर सकें, जो सबकी आशाओं पर खरा उतर सके, जिससे समाज और देश का भला हो, राष्ट्र प्रगति कर सके, यह सब कुछ हमारे मत पर ही निर्भर है। समाज की जागरूकता व रुझान के लिए सभी नागरिकों से ये उम्मीद की जाती है कि वे अपने व्यस्ततम क्षणों में भी समय निकालकर, आलस्य त्याग कर अपनी रुचि का अपने हितों का ख्याल रखने वाली शख्सियत को चुनने के लिए घर से अवश्य निकलें। विद्यालय के प्रधानाचार्य भारत सिंह ने कहा कि जाति, धर्म, धन लोभ व लालच से ऊपर उठकर स्वहित, जनहित, समाज हित व राष्ट्रहित में अपने कीमती मत का प्रयोग करें।

पूर्व विधायक जय चौबे के पार्टी में शामिल होने से मिलेगी मजबूती : जिलाध्यक्ष

संतकबीरनगर। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पूर्व विधायक जय चौबे जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव और नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल का लगातार स्वागत का सिलसिला जारी है इसी क्रम में पूर्व विधायक जय चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव एवं नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल सहित भाजपा में शामिल अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर पहुंचे। जहां भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव सहित भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहना हुए पूर्व विधायक जय चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव और नगर पालिका के अध्यक्ष जगत जायसवाल सहित बीजेपी में शामिल हुए सभी लोगों का जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव ने कहा कि बीजेपी से पूर्व विधायक जय चौबे फिर से अपने पार्टी में वापस आ गए हैं भारतीय जनता पार्टी उनका स्वागत करती है उनके आने से जिले में बीजेपी को और मजबूती मिलेगी। विगत दिनों सपा का दामन छोड़ बीजेपी में शामिल हुए पूर्व विधायक जय चौबे का लगातार स्वागत का सिलसिला जारी है इसी क्रम में आज बीजेपी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में बीजेपी में ज्वाइन हुए सभी लोगों का जोरदार स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव पूर्व विधायक जय चौबे जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल सहित सभी सम्मिलित लोगों का फूलमाला पहनाते हुए स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व विधायक जय चौबे पार्टी के पूर्व विधायक थे पार्टी में वापस हुए हैं उनका स्वागत है भारतीय जनता पार्टी में जो भी लोग सम्मिलित हुए हैं भारतीय जनता पार्टी उनका स्वागत करती है सभी के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। स्वागत समारोह के दौरान पूर्व विधायक जय चौबे ने कहा की किसी कारणवश भारतीय जनता पार्टी का दामन छोड़ समाजवादी पार्टी में सम्मिलित हुआ था।

नामांकन के चौथे दिन एक निर्दल प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र किया गया दाखिल

62-संत कबीर नगर संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु आज 01 व्यक्ति द्वारा कुल 02 सेटों में नामांकन पत्र प्राप्त किया गया

संतकबीरनगर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में 62-संत कबीर नगर संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु आज 01 निर्दल प्रत्याशी मित्रसेन यादव पुत्र चन्द्रभान यादव द्वारा रिटर्निंग आफिसर/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया गया। आज कुल 01 व्यक्ति रामप्रवेश मिश्रा पुत्र सम्पूर्णानंद मिश्रा द्वारा राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इण्डिया से नामांकन पत्र प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि नामांकन पत्र प्राप्त किये जाने एवं नामांकन पत्रों को दाखिल/जमा किये जाने की अंतिम तिथि दिनांक 06 मई 2024 सायं 03 बजे तक निर्धारित है।

ठंडा नहीं गर्म पानी देता है वाटर कूलर

भरुआ सुमेरपुर। कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों एवं तीमारदारों को ठंडा नहीं बल्कि वाटर कूलर का गर्म पानी नसीब हो रहा है। इससे लोगों को मजबूर होकर बाहर से ठंडा पानी खरीद कर प्यास बुझाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में वाटर कूलर खुले आसमान के नीचे लगा हुआ है। यह ठंडा पानी नहीं बल्कि गर्म पानी उगलता है। इसी गर्म पानी से मरीज एवं तीमारदार प्यास बुझाने के लिए मजबूर होते हैं। गुरुवार को तीमारदार संगीता, रेखा, रामकिशोर, राधेश्याम, सीता देवी, श्यामा आदि ने बताया कि अस्पताल प्रांगण में लगा वाटर कूलर खराब है। यह ठंडा नहीं बल्कि गर्म पानी उगल रहा है। बाहर से ठंडा पानी लाकर प्यास बुझाई है। अस्पताल के अंदर घड़े में ओआरएस घोल जरूर रखा जाता है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि वाटर कूलर खराब है। मरम्मत कराई जा रही है। धूप से बचाव के लिए टीनशेड से कवर कराने के आदेश दिए गए हैं ताकि मरीजों एवं तीमारदारों को गर्मी में ठंडा पानी नसीब हो सके।

टेढा में नुक्कड़ नाटक कर छात्राओं ने मतदान के लिए किया जागरूक

भरुआ सुमेरपुर। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्वीप के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, रैली व शपथ दिलाकर मतदाताओं को जागरूक किया गया। वहीं कई गांवों में हस्ताक्षर अभियान का आयोजन कर जागरूक किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पांडेय के निर्देशन पर गुरुवार को टेढा में नुक्कड़ नाटक व पचखुरा बुजुर्ग में हस्ताक्षर अभियान चलाकर मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी स्वीप कार्यक्रम के तहत संकल्प पत्र शपथ दिलाई गई। शपथ डिप्टी कलेक्टर/ प्रभारी बीडीओ शांतनु कुमार सिनसिनवार ने दिलाई। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विभिन्न गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए,जिसमें जलाला में नुक्कड़ नाटक, देवगांव में पिंक रैली व अतरैया में बुजुर्ग मतदाताओं का बीच संवाद कर मतदान के लिए जागरूक किया गया। बीडीओ ने बताया कि भ्रमण के दौरान बुजुर्ग मतदाताओ को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और मतदान का प्रतिशत बढाने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं व पुरुषों ने मतदान बढ़ाने के लिए स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर जागरूक किया। डिप्टी कलेक्टर ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने लिए मतदान जरूरी है।

नाराज होकर घर से निकले युवक को ट्रक ने कुचला

मौदहा। कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गांव निवासी एक युवक बीती रात करीब 10 बजे घर से नाराज होकर रिश्तेदारी में जाते समय मवैया गांव के निकट ट्रक के चपेट में आ गया। जिसमें उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उक्त युवक अविवाहित था और अहमदाबाद में मजदूरी करता था। कुछ दिन पहले ही वह घर आया था। मदारपुर गांव निवासी राजबहादुर निषाद का बेटा नीरज 21 वर्ष बीती रात नाराज होकर घर से निकल गया था। उसको ढूंढने के लिए परिजन निकल पड़े तो रात करीब 10 बजे मवैया के निकट पता चला कि सड़क दुर्घटना में एक युवक को ट्रक ने रौंद दिया है। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने वहां पहुंचकर उसकी पहचान की और इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना के कुछ देर तक वहां जाम की स्थिति पैदा रही। पुलिस ने मौके में पहुंचकर जाम हटवाया और शव को किनारे कराया।

शांति भंग में आधा दर्जन हुये गिरफ्तार

भरुआ सुमेरपुर। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से आधा दर्जन लोगों को शांति भंग के आरोप में हिरासत में लेकर न्यायालय भेजा है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि अलग-अलग स्थानों से आधा दर्जन लोगों को शांति भंग के आरोप में हिरासत में लेकर न्यायालय भेजा गया है। इनमें रामसजीवन, प्रभात निवासी सुमेरपुर, श्यामबाबू इमिलिया, संजय कुमार बिरखेरा, विवेक विश्वकर्मा, प्रमोद तिवारी निवासी इंगोहटा शामिल हैं।

ललपुरा पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

हमीरपुर। वॉछित व वारन्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के संबंध में चलाए जा रहे अभियान के तहत एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। ललपुरा थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने धारा 323, 504, 452 आईपीसी व एससी एसटी एक्ट के वांछित अभियुक्त अजय सिंह पुत्र दादू सिंह निवासी कलौली जार को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा है।

परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है इंडिया गठबंधन-बृजेश पाठक

सपा कांग्रेस पर बोला जमकर हमला

हमीरपुर। भाजपा प्रत्याशी की नामांकन सभा को संबोधित करने आये उपमुख्यमंत्री ने सपा एवं कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की मौत पर श्रद्धांजलि देने तक नहीं गए जबकि माफिया की मौत पर 500 किलोमीटर दूर फातिया पढ़ने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि एक तरफ राम मंदिर बनाने वाले हैं दूसरी तरफ गोली चलवाने वाले। गुरुवार को डिप्टी सीएम बृजेश कुमार पाठक ने चिलचिलाती धूप में पुराना तहसीलदार बंगला प्रांगण में आयोजित भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल की नामांकन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा में असली लोकतंत्र है। इंडिया गठबंधन परिवार डेवलपमेंट पार्टी है। इनके पास परिवार के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का पूरा परिवार चुनाव की पिच पर है जबकि किसी दूसरे यादव की तरफ उन्होंने देखा तक नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज करते हुए कहा कि यह फ्लाप नेता है। इस शहजादे को लोग कई मर्तबा नकार चुके हैं। नामांकन सभा में प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर, महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, पूर्व मंत्री सिद्धगोपाल साहू, सदर विधायक डा. मनोज प्रजापति, राठ विधायक मनीषा अनुरागी, स्वामी ज्योतिर्मयानंद, संतराम राजपूत, ब्लॉक प्रमुख जयनरायन सिंह यादव, जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, एम खान सहित अनेक लोग मौजूद रहे। संचालन सदर नगरपालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद ने किया।

पोलिंग पर्सन को प्रशिक्षण में विभिन्न परिस्थितियों से निपटने में सक्षम व दक्ष बनाये – मंडलायुक्त

➢ सुरक्षा के दृष्टिगत चप्पे-चप्पे पर होगी निगरानी अराजक तत्वों पर करें कार्यवाही-आई.जी. रेंज तरुण गाबा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - लखनऊ मंडल आयुक्त डा. रोशन जैकब एवं आई.जी. रेंज लखनऊ तरूण गाबा ने कलेक्ट्रेट सभागार में लोक सभा सामान्य निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से सभी प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान आयुक्त एवं आई.जी. रेंज ने संवेदन शील एवं अति संवेदनशील बूथों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि जहां पर पूर्व में कोई अप्रिय घटना घटित हुयी हो, वहां पर विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों को चिन्हित करते हुये उनकी सूची तैयार कर ली जाये। ऐसे बदमाश हो, गुंडा हो, बवाली हो उन पर कार्यवाही कर उनको बाहर कर दिया जाये। पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिये कि ऐसा कोई भी बूथ न छूटे जहां पर सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी हो, उसकी तैयारी पहले से ही कर ली जाये। बूथों पर माइक्रो आर्ब्जवर व वेकास्टिंग द्वारा निगरानी रखी जाये। उन्होंने बाहर से आने वाली फोर्स के ठहरने की जानकारी लेते हुये निर्देशित किया कि फार्स को ठहरने हेतु उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। जो भी वाहन मतदान में इस्तेमाल हो रहे हैं उन पर जी.पी.एस.अवश्य लगाया जाये तथा बैरीयर पर सी.सी.टी.वी. कैमरे अवश्य लगाये जायें आबकारी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वह भी अवैध शराब के वितरण एवं जहरीली शराब पर निगरानी रखें ताकि जहरीली शराब पीने से कोई अप्रिय घटना न हो सभी बूथों पर आवागमन हेतु रूटचार्ट की जानकारी ली तथा रूटचार्ट के अनुसार ही वाहनों का आवागमन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कार्मिक प्रशिक्षण की जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि ऐसा प्रशिक्षण कराया जाये ताकि कार्मिक हर चुनौतियों का सामना कर सकें। सभी बूथों पर छाया हेतु शेड, प्रकाश एवं पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये तथा बूथों पर दिव्यांगों, वृद्धजनों एवं गर्भवती महिलाओं को बैठनें व प्राथमिकता के आधार पर मतदान कराया जाये। जिन बूथों पर दिव्यांग मतदाता हैं, वहां पर रैम्प व उनके लिये शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बी.एल.ओ. की समीक्षा कर ली जाये ताकि वह अपना कार्य सकुशल ढंग से सम्पन्न करें। स्वीप आयोजन के संबंध में जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि स्वीप आयोजन के अन्तर्गत ऐसे आयोजन किये जायें, जिसमें महिलाओं की भागीदारी हो और महिलाएं मतदान के प्रति जागरूक हों, क्यों कि हमें महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वोटिंग पर्ची का वितरण शतप्रतिशत सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने बूथों पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का शत प्रतिशत का पालन सुनिश्चित करने निर्देशित किया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विशेष निगरानी रखी जाये। उन्होंने कहा कि जहां से पोलिंग पार्टियां रवाना होगीं, वहां पर साईनेज, सी०सी०टी०वी० व लाउडस्पीकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। निर्वाचन कन्ट्रोल रूम में अब तक प्राप्त हुयी शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की एवं मीडिया अनुवीक्षण एवं प्रमाणन समिति द्वारा जारी नोटिसों पर हुयी कार्यवाहियों के विषय में जानकारी लेते हुये विशेष निगरानी रखे जाने के निर्देश सम्बन्धित को दिये। सी-विजिल पर प्राप्त शिकायतों को ससमय निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी अनुज सिंह,पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, नगर मजिस्ट्रेट कृष्णानंद तिवारी, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राखी वर्मा, सभी उप जिला अधिकारी सहित प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अधिकारी राकेश कुमार ने पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता को आदेश दिया की खराब पड़े चापकलों की मरम्मत कराने का निर्देश दिए

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई पटना –जिला कलेक्टर राकेश कुमार गुरुवार को अलीगंज प्रखंड अंतर्गत दिघौत आदि गांवों का दौरा किया और भीषण गर्मी के मद्देनजर जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मौके पर कहा कि खराब चापाकलों की जल्द मरम्मती कराएं ताकि जरूरतमंदों को जल उपलब्ध हो सके। पानी सुनिश्चित कराने के लिए जल मिनार को भी दुरुस्त कराएं। बोरिंग को भी तकनीकी रूप से सुदृढ़ करें। उन्होंने भीषण गर्मी के मद्देनजर जलस्तर के नीचे जाने की जानकारी देते हुए कहा कि यह एक प्राकृतिक आपदा है। जिला प्रशासन इस आपदा से निपटने के लिए सजग और सचेत है। डीएम ने अलीगंज प्रखंड में पानी की समस्या उत्पन्न होने की बात बताते हुए कहा कि नल-जल योजना के जरिए इस पर काबू पाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के तहत टंकी , पाइप आदि के भी मरम्मत कराए जाने का निर्देश दिया। डीएम ने पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि सर्वे कराकर चापाकल की मरम्मत व पेजजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। नल-जल की समस्या का भी सामाधान करें। डीएम ने कार्यपालक अभियंता को पानी की समस्या वाले स्थानों पर अविलंब काम शुरू किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने बीडीओ को पीएचईडी के कंट्रोल रूम का नंबर रखने का निर्देश देते हुए कहा कि जहां पर चापाकल खराब है , उसकी सूची बनाकर कार्यपालक अभियंता को तुरंत हस्तगत कराएं ताकि जल्द से जल्द पेयजल की समस्या का समाधान किया जा सके। उन्होंने भू जल स्तर का रिपोर्ट भी मांगा। डीएम के जन समस्याओं के निदान में दिलचस्पी लेने की चर्चा लोगों की जुबान पर है। सिविल सर्जन डॉ. कुमार महेंद्र प्रताप , कार्यपालक अभियंता ई. शिवशंकर दयाल , बीडीओ आदि पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित थे।

भीषण आग की चपेट में आने से आधा दर्जन घरों के लाखों का सामान जलकर राख

राबर्टसगंज,सोनभद्र। पन्नूगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत महेवां गांव में आग की लपटों ने फसल, घर व पशु सभी को अपना ग्रास बना डाला । बताते चलें कि महेवां गांव में दोपहर के समय अचानक लगी आग से ग्रामीणों के लगभग पांच घर व घर में रखी सभी वस्तुयें जल कर राख हो गयी । आग की चपेट में आये घरों के स्वामियों से पूछने पर पता चला कि आशीष कुमार पुत्र स्व. बनारसी का लगभग दो लाख रुपये का, मथुरा पुत्र काशी का एक लाख रुपये का, काशी पुत्र स्व. जूठन का एक लाख रुपये का, गोपाल पुत्र स्व. बुद्धि राम का ढाई लाख रुपये का व अनिल कुमार पुत्र गोपाल का लगभग चार लाख रुपये का सामान घर में था। उक्त सभी अनुसूचित जाति के लोग हैं।इनके पास न रहने के लिए छाव बचा है और न खाने के लिए भोजन । उधर इनके घर से सटा पवन शुक्ला का तीन बीघा गेहूँ, रमाशंकर का पांच कुंतल गेहूँ व सुरेश का दस कुंतल गेहूँ जल कर राख हो गया.। आग का रूप इतना विकराल था कि रस्सी से बंधी गाय भी अधजली हो गयी और एक बछडा जल कर मर गया । मौके पर पहुँचे अधिकारियों ने मदद का आश्वासन भी दिया, लेकिन घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक उक्त को कोई भी सहायता राशि नहीं मिल पायी है । उक्त के यहाँ का दृश्य देख कर किसी के भी आँख में पानी आना स्वाभाविक है, न रहने के लिए घर, न खाने के लिए अन्न, न सोने के लिए चारपाई । पीड़ित आशीष कुमार ने रोते हुए बताया कि, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक के कागजात, नकद रुपए, आभूषण, बर्तन, अनाज, बिस्तर बेड सब कुछ जल राख हो गया । आज इनके पास पेड़ के सिवा कुछ भी नहीं बचा वो भी अधजले । अब देखना होगा कि सरकार और उनके लोगों की दया दृष्टि कब तक इन बेघरों पर पड़ती है । खबर लिखे जाने तक उक्त पीड़ितों को सरकार के तरफ से कोई भी सुविधा नहीं मिल पाई है, मिला तो सिर्फ कोरा आश्वासन।

बसपा प्रत्याशी उदराज वर्मा पंकज का हाथी की दहाड़ के साथ नामांकन आज

प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित कार्यकर्ताओं का उमड़ेगा हुजूम

सुलतानपुर। बहुजन समाज पार्टी के घोषित प्रत्याशी उदराज वर्मा पंकज शुक्रवार को नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका ज्योत्सना के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।उन्होंने बताया कि वह अपने पैतृक आवास इशहाकपुर गोसाईगंज से सुबह 10 बजे पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन करने निकलेंगे।वाहनों का काफिला पांचों पीरन तक आने के बाद वहां से पैदल नामांकन स्थल जायेंगे। जिलाध्यक्ष सुरेश गौतम के अनुसार नामांकन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल,घनश्याम चंद्र खरवार पूर्व लोकसभा राज्यसभा सदस्य,मंडल प्रभारी अयोध्या मंडल, रमेश गौतम व राजकुमार गौतम,जिला प्रभारी कृष्णकांत अंबेडकर पंकज, चितनाथ गौतम,जिला उपाध्यक्ष श्याम नारायण उपाध्याय,जिला महासचिव रविशंकर पाल,जिला कोषाध्यक्ष सहामत अली,जिला बीबीएस संयोजक हरिपाल गौतम के साथ पार्टी प्रत्याशी बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत नामांकन हेतु कलेक्ट्रेट पहुंचेगें। उन्होने बताया कि जिले भर के पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक नामांकन में शामिल होकर दिखाएंगे अपनी ताकत।

मेनका गांधी के समर्थन में सम्मेलनों का दौर जारी

सुलतानपुर। भाजपा ने गुरुवार को नागेश्वर मैरिज लान,दियरा रोड लंभुआ में विधानसभा का बूथ सम्मेलन आयोजित किया। बूथ सम्मेलन को मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गिरि ने संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को टिप्स देते हुए बूथ जीतों चुनाव जीतों का मंत्र दिया।उन्होंने कहा बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ और भाग्य विधाता हैं।वह बूथ पर पार्टी का परचम फहराता है।

उन्होंने कहा विपक्ष की जमानत जब्त करानें के लिए कार्यकर्ता पूरी ताकत झोंक दें।सांसद मेनका संजय गांधी ने बूथ सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा 1991 बूथ हैं।हर बूथ पर कम से कम 425 वोट और 65 प्रतिशत वोटिंग के लिए काम करना है।20 दिन चुनाव में बचें हैं। प्रधान बीडीसी पूर्व बीडीसी व पूर्व प्रधान से लगातार संपर्क में रहें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ० आरए वर्मा ने कहा हमारा लक्ष्य पार्टी प्रत्याशी व सांसद मेनका संजय गांधी को ऐतिहासिक मतों से जीत दिलाने का है।हमको बूथ समिति के साथ टिफिन बैठक, ड्राइंग रूम चौपाल,पन्ना प्रमुख सम्मेलन करना है।पन्ना प्रमुख को निरंतर वोटर से संपर्क करना है।तीन बार घर-घर संपर्क, लाभार्थी संपर्क, अनुसूचित जाति संपर्क, युवा मोर्चा द्वारा बूथ पर बाइक रैली निकालना, घरों पर झंडा लगाना, प्रत्येक बूथ पर दो व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर सक्रिय करने की बात कही । इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश जायसवाल, विजय त्रिपाठी, भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, जगदीश चौरसिया, ब्लॉक प्रमुख सुषमा जायसवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष अवनीश सिंह अंगद, राम नारायण उपाध्याय,राजेश चतुर्वेदी,संजय सरोज, प्रवीण सिंह, डॉ० राम मूर्ति वर्मा,प्रदीप रावत, अखिलेश सिंह, राजेश राज मिश्रा, रमा पति मौर्या समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा दुष्कर्म के अभियोग में वांछित 3 अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक थाना गौरीगंज शिवाकान्त त्रिपाठी मय हमराह द्वारा क्षेत्र में चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर 376डी,506,427 भादवि थाना गौरीगंज जनपद अमेठी में वांछित 3 अभियुक्त फैज मोहम्मद उर्फ बुधून पुत्र दिलशेर,नसीम उर्फ जौबाद पुत्र अब्बास,फैजान पुत्र रईश निवासीगण उत्तरगांव मजरे बस्तीदेई थाना गौरीगंज जनपद अमेठी को भटगवां भीटा नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया।

खाली पड़े तीस लाख सरकारी पदों पर की जाएगी भर्तियां – आनंद भदौरिया

महोली क्षेत्र में की हुई जन सभाएं

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - भाजपा झूठ और फरेब की राजनीति करती आ रही है। मोदी सरकार में जिस तरह से गरीबों, किसानों और नौजवानों के साथ धोखा किया जा रहा है, उसे हर कोई त्राहि-त्राहि कर रहा है। भाजपा सरकार में हर व्यक्ति इस कदर परेशान है कि अब लोगों ने इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जुट गया है। इस बार केंद्र में सपा-कांग्रेस गठबंधन की सरकार का बनना तय है। यह बात धौरहरा संसदीय सीट से सपा प्रत्याशी आनंद भदौरिया ने शुक्रवार को महोली विधान सभा क्षेत्र में आयोजित जन सभाओं को संबोधित करते हुए कही। क्षेत्र के महोली नगर सहित पिसावां कस्बा और हथिया,बहेर,संसड़ा,नादन, जल्लापुर, सेरवाडीह, फखरपुर आदि गांवों में आयोजित सभाओं में समाज वादी पार्टी के प्रत्याशी ने केन्द्र की मोदी सरकार को निशाने पर रखते हुए कहा कि इस बार केन्द्र में गठबंधन की सरकार बनने पर खाली पड़े तीस लाख सरकारी पदों पर नौकरियां निकाल कर भर्ती की जाएगी और सभी सरकारी नौकरियों में पचास प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाएंगे। जिनके कच्चे मकान या फिर झोपड़ी हैं, उन्हें पक्के मकान दिए जाएंगे। सभी किसानों के कर्ज साल के अन्त तक माफ कर दिए जाएंगे। छोटे और सीमांत किसानों को पांच हजार रुपए की मासिक पेंशन दी जाएगी। किसान अपनी उपज को आसानी से और उचित मूल्य पर बेच सकें, इसको लेकर हर दस किमी पर कृषि मंडी बनाई जाएगी। इसके साथ ही किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए किसान आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में स्पष्ट है कि मनरेगा मजदूरों के जीवन स्तर को उठाने के लिए मनरेगा मजदूरी बढ़ाकर चार सौ पचास रुपए की जाएगी। सभाओं को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक अनूप गुप्ता ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरी के पेपर जिस तरह से लीक हो रहे हैं, उससे युवाओं का भविष्य दांव पर लगा है। लेकिन केंद्र में जब सपा होगी तो पेपर लीक जैसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने के साथ ही लैपटॉप वितरण में व्याप्त भ्रष्टाचार को भी खत्म किया जाएगा। बेटियां शिक्षा से वंचित न रहने पाएं इसके लिए बालिकाओं को परास्नातक तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। सपा प्रत्याशी आनंद भदौरिया के पक्ष में एकजुट होकर मतदान कर उन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील करते हुए सपा जिला अध्यक्ष जिलाध्यक्ष क्षत्रपाल यादव ने कहा कि इस बार जब केंद्र में गठबंधन की सरकार बनेगी तो धौरहरा क्षेत्र विकास के मानचित्र पर एक अलग पहचान बनाएगा। जन सभाओं को महोली नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन दिनेश गुप्ता टीटू, सपा के महोली विधान सभा अध्यक्ष रमेश शुक्ला, सपा के पिसावां ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश यादव, कांग्रेस के पिसावां ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंह, कांग्रेस के महोली ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर पांडेय, सपा के महोली ब्लॉक अध्यक्ष कल्लू मिश्रा और जिला पंचायत सदस्य अशोक राजवंशी ने भी सम्बोधित किया। सभाओं को सफल बनाने में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के शिव कुमार भार्गव,छात्र सभा के जिलाध्यक्ष शिवम सिंह,ग्राम प्रधान नादिर,पूर्व प्रधान कमलेश सिंह,हेमपाल अर्कवंशी, अवनीश मिश्रा गुड्डू,अंकित त्रिवेदी, मोनू दीक्षित,राजेश चौरसिया का सराहनीय योगदान रहा।

थाना जामों पुलिस द्वारा तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के गुरुवार को उप निरीक्षक संजीव कुमार थाना जामो मय हमराह द्वारा क्षेत्र में चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त मोहम्मद समीम पुत्र मो० कलीम निवासी रोड नं० -3 कमरौली थाना कमरौली जनपद अमेठी को कादूनाला पुल सम्भई से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से 1 तमंचा व 1 जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ।

पंडित संतोषी लाल शुक्ल मेमोरियल इंटर कॉलेज में हुआ प्लेहाउस का शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले की महमूदाबाद तहसील के विकासखण्ड रामपुर मथुरा क्षेत्र के चांदपुर फरीदपुर में स्थित स्थित एक इण्टर कॉलेज में प्ले हाउस का शुभारंभ किया गया। छोटे बच्चों में प्ले हाउस का बहुत ही महत्व होता है प्ले हाउस का शुभारंभ होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार जिले की तहसील महमूदाबाद क्षेत्र के विकासखंड रामपुर मथुरा अन्तर्गत चांदपुर फरीदपुर में स्थित पण्डित संतोषी लाल शुक्ल मेमोरियल इंटर कॉलेज चांदपुर में प्ले हाउस की स्थापना की गई।आधुनिक समय में छोटे बच्चों के विकास में प्ले हाउस की बहुत भूमिका रहती है मनोवैज्ञानिक तरीके से मनोरंजन के साथ जब छोटे बच्चों को विद्यालय में पढ़ाया जाता है तो वह बहुत जल्दी सीखते हैं और उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी बहुत तेजी के साथ होता है स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल एवं प्ले हाउस महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय में प्ले हाउस की स्थापना निश्चित रूप से प्राइमरी के विद्यार्थियों के लिए एक अच्छी शुरुआत है उपरोक्त विचार पंडित संतोषी लाल शुक्ल मेमोरियल इंटर कॉलेज में प्ले हाउस का फीता काटकर उद्घाटन करने के पश्चात विद्यालय के प्रबंधक चंद्र भूषण शुक्ल ने व्यक्त किये । उन्होंने इस अवसर सभी विद्यार्थियों से भी बात की और अच्छी पढ़ाई के लिए उन्हें प्रेरित किया कॉलेज की शिक्षक अंशुल अवस्थी ने बैच लगाकर शिक्षिका सुधा वर्मा ने तिलक लगा करके शिक्षक धीरेंद्र शुक्ला परीक्षा प्रभारी अरविंद वर्मा कार्यालय प्रभारी संदीप वर्मा ने माल्यार्पण करके स्वागत किया।कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश कुमार शुक्ल ने भी सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। बताते हैं कि इस विद्यालय में केजी नर्सरी से लेकर इंटरमीडिएट तक एक ही छत के नीचे शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर शिक्षक अरूण वर्मा,सौरभ वर्मा ,प्रधान प्रदीप वर्मा, प्रधान छोटे,अनेकों अभिभावक एवं कॉलेज के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित थे।

तेंदुए के हमले में दो लोग घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

बहराइच। कतर्नियाघाट रेंज के घोसियाना गांव में गुरुवार सुबह खेत में काम करते समय युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया। इसके बाद पड़ोस के युवक पर भी हमला कर घायल कर दिया। दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के कतर्निया घाट रेंज अंतर्गत भेड़हनपुरवा घोसियाना गांव निवासी अजीज पुत्र मेवा अपने खेत में गुरुवार सुबह काम कर रहा था। इसी दौरान जंगल से निकले तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले में अजीज घायल हो गया। वहीं बगल के खेत में मौजूद करीम पुत्र वारिस निवासी पठाननपुरवा गुलरा पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने सूचना वन विभाग को दी। वन क्षेत्राधिकारी कतर्नियाघाट रामकुमार द्वितीय ने बताया कि सूचना मिली है मौके पर वनदरोगा मयंक पांडे, अब्दुल सलाम और वाचर विनोद के साथ डब्ल्यूडबल्यूएफ के मंसूर मौके पर पहुंच कर घायल दोनों युवकों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजौली पर कराया गया है।

आईपीएल मेला युवाओं के लिए अभिशाप बनता नजर आ रहा है – रविंद्र आर्य

● भारत की गली - गली मे है अब, फर्जी ऑनलाइन ऑफलाइन सट्टेबाजों के गिरोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता

गाजियाबाद - भारत का ऑनलाइन खेल सट्टेबाजी बाजार 2024 में ?160 बिलियन से अधिक तक पहुंचने का अनुमान है, जब की ऑफलाइन ?160 बिलियन से कही दुगना बाजार है, जिसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऑनलाइन ऑफलाइन आईपीएल सट्टा के कारण है। हर साल अधिक से अधिक सट्टेबाज इसमें शामिल हो रहे हैं, युवा साइन-अप करके और खेल सट्टेबाजी के इस रूप के रोमांच का अनुभव करने के लिए सर्वोत्तम प्लेटफार्मों की तलाश कर रहे हैं। सट्टेबाजो ने कुछ युवाओं को तो बिल्कुल बर्वाद करके रख दिया है, बेहतरीन ऐप्स बताकर इस एप्लीकेशन का चयन करने के लिए किया जाता है। जिनका उपयोग भारत में कोई भी सट्टेबाज कर सकते हैं। एक बार जब आप अपनी पसंदीदा पसंद पर निर्णय ले लेते हैं, तो उनके साथ साइन-अप करने और उनके साइन-अप बोनस ऑफर का लाभ उठाने के लालच मे पैसा बर्बाद करते है। गुमराह करने वाले लोगो की भी कमी नहीं है, चाहे वह पुलिस महकमा हो या आमजन हो, पुलिस के थानेदार रेंक के अधिकारी पब्लिक डोमिन मे कहते फिरते है की गवर्नमेंट ही ऐसी एप्लीकेशन को आज्ञा देती है, जब की यह बिल्कुल सारा-सर मिथ्या झूठ है। गवर्नमेंट एप्लीकेशन किसी भी ऐप्स को लीगल आज्ञा जब देती है, जब वह गवर्नमेंट के दायरे मे आती हो, जैसे- एन ओ सी, लाइसेंस एवं टेक्स आदि के दायरे एवं मानक को पूर्णरुप से पालन करता आया हो। यह नहीं की गली-गली से कोई भी फर्जी आमजन इसको बिना एन ओ सी के संचालक करता हो, लेकिन भारत मे ऐसा होना अब आम बात हो गई है। जैसे देखने मे आया होगा महादेव ऐप्स जों छत्तीसगढ़ के कांग्रेस के पूर्व सीएम तक इसका शिकार हुए, ओर ईडी के जाल मे भी फसे, फर्जी गैंग ऐसी एप्लीकेशन को खुलेआम चला रहे है, ऐसे फर्जी गैंग समाज ओर पुलिस को गुमराह करते आये है। इस कारण ही समाज मे कोई बदलाव नहीं दीखता नज़र आ रहा है। मॉ - बाप बच्चों से उम्मीद लगाएं बैठे होते है की देश ओर मॉ-बाप का नाम ऊंचा करेगा, परन्तु उनकी संतान ऑनलाइन ओर ऑफलाइन जुआ आदि मे फसी रहती है, आजकल पैसा कामना ओर गवाना ऐसे युवा दोनों गतिविधि को शान समझते है। जब की आईपीएल मेला युबाओ के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। पिछले कुछ सालों से देखा जा रहा है की हमारे देश की आर्थिक स्थिति को कमजोर किया जा रहा है, हम जानना नहीं चाहते देश को कमजोर कैसे किया जाता है? ऐसे ही पहले तो देश मे किरिप्टो करंन्सी का जाल बिछाया गया यह मीठा जहर जनमानस को पिलाया गया ओर लोगो मे पैसा कमाने के लिए नेटवर्किंग सिस्टम ने फर्जी सर्कुलर जारी किया गया, सरकार को मजबूत होते हुए इस नेटवर्किंग गैंग को फिर टेक्स के दायरे मे लेना पड़ा, उसके उपरांत आया फर्जी ऑनलाइन, ऑफलाइन सट्टा किंग आप्लिकेशन, जैसे की महादेव एप्लीकेशन लेकिन अब जोरों पर आईपीएल सट्टा, जिसका बाजार इतना गरम है की युवा आईपीएल शुरू होते ही फ़ोन कॉल, व्हाट्सप्प टेक्स्ट एस एम एस ओर व्हाट्सप्प कॉल्स शुरू हो जाती है। हर ओवर की बॉल पर भाव लगाया जाता है, यह ब्लैक मनी कहाँ जाती है? देश को कौन खोखला कर रहा है? ऐसी अबैध गतिविधियों से कोई जानना नहीं चाहता है, युवा ऐसी बातों को जानना उचित भी नहीं समझते है। मान लीजियेगा मॉ-बाप अपनी सन्तानो को समझाने की कोशिश भी करते है की क़ानून के मुताबिक जुआ खेलना जुर्म है, या शास्त्रों अनुसार घृणित कार्य है। तो कलयुगी संतान के अनेकों तर्क देती नज़र आयेगी, यह तो सरकार की ही एप्लीकेशन है, इक्कीसवीं सदी का विज्ञानं का ज़माना है, हम शॉटकट रास्ता अपनाकर आपसे जल्दी पैसा कमा रहे है। आज के युग मे अनेको तर्क मॉ-बाप को सन्तानो द्वारा दी जा रही है, पर कोई माने या ना माने जुआ खेलने वाला जीतकर भी हार जाता है, वह समझ बैठता है की मे जीत रहा हु। जबकि बिचोलिये जेब गरम कर सट्टेबाजी से मौज बनाते फिरते है। कब क्रिकेट मैच कहाँ पलटी मार दे किसी टीम का कोई भरोसा नहीं उसके बाबजूद भी जनता इस जुए का शिकार होती आई है। कुछ एप्लीकेशन का ज्यादातर पैसा विदेशो मे जाना अब आम हो चला है।

ऋचा ने अपनी भूमिका के लिए मीना कुमारी और नरगिस को फॉलो किया

संजय लीला भंसाली वेब सीरीज 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' के जरिए 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित तवायफों और उनके संरक्षकों की वास्तविकता को पेश करने जा रहे हैं। इस सीरीज को लेकर पिछले दिनों ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। शर्मिन सहगल, भंसाली की भांजी हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें 17 बार ऑडिशन देने पड़े। ऋचा ने बताया कि लज्जो की भूमिका के लिए उन्होंने मीना कुमारी और नरगिस को फॉलो किया है। ऋचा चड्ढा - संजय सर को यकीन था कि मैं लज्जो का किरदार निभा सकती हूं। ऋचा, आप इस सीरीज में लज्जो का रोल अदा कर रही हैं, यह रोल सच्चे आशिकों के लिए एक ट्रिब्यूट है। जब आपको इस रोल के बारे में बताया गया तो आपका क्या रिएक्शन था ? जब मैं पहली बार संजय सर के ऑफिस गई थी तब मुझे किसी और किरदार के लिए बुलाया गया था। उस समय सीरीज को संजय सर के साथ कोई और डायरेक्ट कर रहा था। लेकिन तब बात नहीं बनी थी। जब मैं दोबारा मिलने गई तो संजय सर ने बताया कि इस किरदार को तुम्हें सोचकर लिखा है। मैं पिक्चराइज कर रहा था कि तुम यह किरदार कर पाओगी की नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि तुम कर लोगी। बस इतनी सी बात हुई थी,उसके बाद थोड़ी सी गप्पे मारी, बस हो गया। मुझे संजय सर के साथ काम करके बहुत मजा आया। मुझे लगता है कि उनका जो अप्रोच रहा है, बहुत सक्सेस रहा है। शर्मिन, आपका आलमजेब का बहुत ही प्यारा और संजीदा किरदार है। जब इस तरह का किरदार निभाने का मौका मिलता है तो उसे कैसे निभाते हैं कि स्टैंड आउट कर पाए ? यह किरदार बहुत ही अलग है। जब आप ऐसे किरदार निभाते हैं तो खुद ही स्टैंड आउट हो जाता है। दूसरी बात यह है कि आलमजेब और शर्मिन में कोई समानता नहीं है। दोनों बहुत ही अलग - अलग किस्म के इंसान हैं। संजीदा किरदार निभाने में मुझे थोड़ी मेहनत लगी। थोड़ी बहुत एक्टिंग कर ली। स्टैंड आउट कैसे करते हैं,वो तो डायरेक्टर पर इतना विश्वास होता है कि हर कैरेक्टर को वो निखारेंगे। इस मामले में हम सब संजय सर पर आंख बंद करके विश्वास करते हैं। एक एक्टर के तौर पर मुझे हमेशा पावरफुल रोल करने की भूख होती है। लोग बात करते हैं कि यह फीमेल ऑरिएन्टेड सब्जेक्ट हैं, लेकिन औरतों के कई रूप होते हैं। जो आलमजेब के किरदार में दिखा है। शर्मिन सहगल - खुद को बहुत प्रिविलेज मानती हूं कि आलमजेब किरदार निभाने का मौका मिला । आलमजेब के किरदार के लिए संजय लीला भंसाली से कब मिलना हुआ ? भले ही मैं उनकी भांजी हूं और इस वजह से मिलते रहते हैं। लेकिन उनकी पूरी पर्सनल जिंदगी ही फिल्म है। इस किरदार के बारे में उनसे एक या दो बार बात नहीं हुई है। वो हमेशा किरदार ढूंढते रहते हैं। वो सोचते थे कि क्या मैं यह किरदार कर सकती हूं। मेरी भी बहुत इच्छा थी कि इस किरदार को निभाने का मौका मिले। मुझे 17 बार ऑडिशन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। मुझे निगेटिव - पॉजिटिव दोनों फीडबैक मिले। मैं खुद को बहुत प्रिविलेज मानती हूं कि यह किरदार निभाने का मौका मिला। शूटिंग के सिर्फ 15 - 16 दिन बचे थे तब मुझे पता चला कि यह किरदार निभा रही हूं। संजीदा शेख - संजय सर ने मेरे अंदर वो काबिलियत देखा कि इतना कॉम्प्लिकेटेड किरदार मैं निभा पाऊंगी। संजीदा, आप का वहीदा के किरदार में जो रेंज है, उसमें प्यार भी है, जलन और दुख भी है। आपने इस किरदार में पूरी तरह से अपनी जी जान लगा दी है? यह बहुत अच्छी बात है कि आपको पसंद आया। एक्टर के तौर पर हमारा जॉब होता है कि डायरेक्टर के विजन को एक्जीक्यूट करें। हम अपना 200 परसेंट दें। यह चैलेंज हमारे सामने था। इससे बड़ा चैलेंज मेरे सामने यह था कि संजय सर ने वहीदा के किरदार के लिए मुझे कैसे सोचा? मैं उस मुकाम थी जहां मुझे ऑडिशन के बिना काम नहीं मिल सकता था। क्योंकि मैं ऐसे बैकग्राउंड से आती हूं, जहां इस तरह के प्रोसेस से गुजरना पड़ता था। यहां मुझे इंडस्ट्री से सब `रिस्पेक्टफुल मेकर मिले, जिन्होंने मेरे अंदर वो काबिलियत देखा कि इतना कॉम्प्लिकेटेड किरदार मैं निभा पाऊंगी। सेट पर कैसा माहौल रहता है, आप तीनों अपने - अपने अनुभव शेयर कीजिए ? संजय सर %के आसिफ% की लिगेसी को लेकर आगे जा रहे हैं - ऋचा चड्ढा मुझे तो बहुत मजा आता है। मैं खुद को डायरेक्टर के सामने सरेंडर कर देती हूं। संजय सर के हार्ड टास्क मास्टर वाली बात जहां तक मुझे लगता है कि वह सही है। आज कल एक्टर बहुत लेजी भी हो गए हैं। उन्हें पता चल जाता है कि अगर 50 का लेंस लगा है तो कैसे एक्टिंग करनी है। लेकिन संजय सर की खासियत यह है कि शॉट कैसा भी लगा हो, वो चाहते हैं कि एक्टर पूरे शरीर के साथ समर्पण से एक्टिंग करे। खास करके जब आप पीरियड फिल्में कर रहे हैं। संजय लीला भंसाली ऐसे मेकर हैं, जो %के आसिफ% की लिगेसी को लेकर आगे जा रहे हैं। आज उनके आस पास कोई नहीं है। संजय सर के मेथड को फालो करते हैं - शर्मिन सहगल सेट पर सब लोग संजय लीला भंसाली के मेथट को फॉलो करते हैं। हम सबकी मेहनत और एनर्जी उसी दिशा में जा रही थी। हमारी सोच यही रहती कि संजय लीला भंसाली को प्राउड बनाए और वो हमारी परफॉर्मेंस से खुश रहें। उस जमाने की तहजीब पकड़ने में हम लोग कहीं न कहीं खो जाते थे। संजय सर उस माहौल में बहुत खुश हो जाते हैं। संजय सर के लिए काम ही पूजा है - संजीदा शेख सेट पर यह सोचकर घुसती थी कि आज कुछ नया सीखने को मिलेगा। संजय सर की बातें और अनुभव सुनेंगे। हर एक्टर का ख्वाब होता है कि संजय लीला भंसाली सर के डायरेक्शन में काम करे। उनके साथ काम करने का प्रोसेस बहुत अच्छा है। सब लोग उनको टास्क मास्टर बोलते हैं। लेकिन वो अपने काम के प्रति बहुत ही ईमानदार हैं। वो अपने काम से प्यार करते हैं। उनके लिए काम ही पूजा है। जब वो सेट पर आते हैं तो ऐसा लगता है कि पहली बार सेट को देख रहे हैं। वो खुद को खुद से बेहतर करना चाहते हैं। इस सीरीज में इंटेन्स हैं, डांस है, हैवी ड्रामा है, उर्दू जुबान है। आप तीनों के लिए बहुत ही अलग तरीके से तैयारी रही होगी, वो तैयारी क्या थी ? संजय सर ने मुझे मीना कुमारी का होम वर्क दिया था - ऋचा चड्ढा उर्दू डिक्शन के लिए सेट पर मुनीरा मैडम थी। बाकी हर एक्टर को संजय सर ने होम वर्क दिया था। मुझे मीना कुमारी का होम वर्क दिया था। जिस तरह से उनकी आवाज में दर्द था, वही टोन पकड़कर मैं अपना डायलॉग बोलती थी। डांस के लिए संजय सर बहुत ही स्ट्रिक हैं। मेरे गाने में बहुत ज्यादा इमोशंस थे। उसके लिए मैंने मीना कुमारी, नरगिस जी को स्टडी किया। इसलिए उस किरदार का दर्द निकल कर आया। परदे पर भले ही इस तरह का किरदार निभाया है, जिसे पति दे दर्द मिला है। लेकिन मेरे रियल लाइफ में पति बहुत अच्छे हैं, बहुत खुशी देते हैं। किरदार के लिए अपनी आवाज और आंख पर फोकस की - शर्मिन सहगल मैंने दो साल तक कथक और एक साल उर्दू सीखा है। इसके अलावा मैंने संजय सर के साथ काम करके जो सीखा है। बोलते थे कि वो घर पर छोड़कर आ जाओ। मैंने अपने किरदार के लिए अपनी आवाज और आंख पर फोकस की। इमोशंस मैंने आंखों और आवाज से निकालने की कोशिश की। इसलिए आलमजेब का किरदार बहुत संजीदा लगता है। हर दिन कुछ ना कुछ डिस्कवर करती थी - संजीदा शेख मैंने जो भी तैयारी की है वो सेट पर ही की है। हर दिन कुछ ना कुछ डिस्कवर करती थी। उर्दू तो हमारी भाषा रही है। मुझे अच्छा लगा कि ऐसा शो करने का मौका मिला, जहां पर उर्दू मे बात करते हैं। अगर उर्दू नहीं भी बोल पाती थी तो संजय सर उसे चेंज भी कर देते थे। उनका कहना था कि कुछ भी बनावटी नहीं, बल्कि नेचुरल लगना चाहिए। बहुत ही सुंदर जर्नी रही है। आप सब की संजय लीला भंसाली की फेवरेट फिल्म कौन सी है ? ऋचा चड्ढा ने कहा - मैंने जब गुजारिश देखी थी तब दंग रह गई थी। यह बहुत ही मुश्किल फिल्म है, क्योंकि हसीन हीरो हर वक्त लेता रहता है। संजीदा शेख ने बताया - मुझे ब्लैक फिल्म बहुत पसंद है। शर्मिन सहगल ने कहा - मुझे देवदास बहुत पसंद है।

मन्नारा चोपड़ा ने कहा कि उनका अपनी कजिन सिस्टर्स प्रियंका चोपड़ा और परिणीति से काफी अच्छे रिलेशन्स हैं। मन्नारा ने कहा कि बिग बॉस के घर में वो जानबूझकर प्रियंका और परिणीति का जिक्र नहीं करती थीं। वो नहीं चाहती थीं कि लोग उन्हें नेपो किड कहें। मन्नारा ने कहा कि वो अपनी बहनों का जिक्र नहीं करती हैं, तब भी लोगों को प्रॉब्लम है। मन्नारा का कहना है कि लोगों को लगता है कि उनका अपनी बहनों से अच्छे संबंध नहीं हैं। मन्नारा के मुताबिक, वो अपनी बहनों का जिक्र करें तभी भी दिक्कत है, अगर न करें तब भी लोग इश्यू बनाते हैं। बहनों का नाम लेती तो लोग मेरे वजूद पर सवाल उठाते मन्नारा चोपड़ा ने सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में बताया कि वो बिग बॉस के घर में प्रियंका और परिणीति का जिक्र क्यों नहीं करती थीं। उन्होंने कहा- मैं जानबूझकर अपनी दोनों बहनों का नाम नहीं लेती थी, वरना बाकी कंटेस्टेंट मुझे नेपो किड कहते। वे कहते कि मेरा अपना कोई वजूद नहीं है। मैं अपना खुद का एक नाम बनाना चाहती थी। मैं घर के अंदर की लड़ाई खुद लड़ना चाहती थी। मैं भले ही एक विशेष परिवार से आती हूं, लेकिन मैंने खुद को हमेशा अलग तरीके से प्रोजेक्ट किया है। मन्नारा ने कहा- प्रियंका दीदी को देख कर बड़ी हुई हूं मन्नारा ने आगे कहा- जब मैं अपनी बहनों का नाम नहीं लेती हूं तब भी लोग एक अलग स्टोरी बनाते हैं। उन्हें लगता है कि मेरी बहनों के साथ मेरे रिलेशन अच्छे नहीं हैं। अब मैं उन्हें क्या बताऊं कि मेरी बहनों के साथ मेरा रिश्ता कितना सॉर्टेड है। मैं प्रियंका दीदी को देखकर बड़ी हुई हूं। उन्होंने जैसे खुद को साबित किया है, वो एक मिसाल है। जब मेरा इंटरेस्ट फिल्मों में काम करने का हुआ तो प्रियंका दीदी ने मेरी मां से कहा कि अभी इसे पढ़ने दीजिए। मैं उस वक्त ग्यारहवीं में थी। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में भारत आई थीं। वे मन्नारा की बर्थडे पार्टी में शामिल भी हुई थीं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में भारत आई थीं। वे मन्नारा की बर्थडे पार्टी में शामिल भी हुई थीं। हाल ही में मन्नारा के 33वें जन्मदिन पर प्रियंका चोपड़ा ने उन्हें जॉइन किया था। प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ इंडिया आई थीं। निक के अलावा उन्होंने अपनी मां मधु चोपड़ा के साथ पार्टी एन्जॉय किया। बता दें, मन्नारा चोपड़ा ने 2014 में आई फिल्म 'जिद' से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

अन्नपूर्णा के नाम से मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री अमृता पांडे कथित तौर पर 27 अप्रैल शनिवार को बिहार में अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गईं। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले, अभिनेत्री ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक गुप्त नोट साझा किया था।

अन्नपूर्णा के नाम से मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री अमृता पांडे कथित तौर पर 27 अप्रैल शनिवार को बिहार में अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गईं। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले, अभिनेत्री ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक गुप्त नोट साझा किया था। 27 साल की अभिनेत्री ने आदमपुर जहाज घाट स्थित अपने दिव्यधर्मा अपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली। मंगलवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार भोजपुरी अभिनेत्री अमृता पांडे, जिन्हें उनके मंचीय नाम अन्नपूर्णा के नाम से जाना जाता है, बिहार के भागलपुर जिले में अपने घर पर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गईं।

एक्ट्रेस का शव 27 अप्रैल को आदमपुर जहाज घाट के दिव्यधर्मा अपार्टमेंट में मिला था। हालाँकि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन माना जाता है कि 27 वर्षीय अभिनेत्री ने अपनी जान ले ली है। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले, उन्होंने कथित तौर पर अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक गुप्त संदेश साझा किया था, जिसमें लिखा था, 卐दो नावों में सवार थी उसकी जिंदगी, हमने अपनी नाव डूबा के उसका सफर आसान कर दिया卐 (उनकी जिंदगी दो नावों पर सवार थी, नाव डुबाने से रास्ता आसान हो गया)卐। मुंबई में रहने वाली अमृता एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भागलपुर आई थीं। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी के अनुसार, जिन्होंने गुमनाम रूप से मीडियाकर्मियों से बात की, अमृता की बहन ने उन्हें अपने कमरे में लटका हुआ पाया। 27 अप्रैल को दोपहर 3ः30 बजे। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अमृता के परिवार में उनके पति चंद्रमणि झांगड़ हैं, जो एक एनीमेशन इंजीनियर के रूप में काम करते हैं। मंगलवार को एक बयान में, भागलपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आनंद कुमार ने कहा, 卐पुलिस ने पहले ही अमृता की मौत की जांच के आदेश दे दिए हैं। हमने मौके से सभी उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं और उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की देखरेख में मामले की जांच बेहद वैज्ञानिक तरीके से की जा रही है. हम पीड़िता के परिवार के सदस्यों के बयान भी दर्ज कर रहे हैं। मौत का सही कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा। अमृता दीवानापन सहित कई भोजपुरी फिल्मों में दिखाई दी थीं, जहां उन्होंने भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के साथ अभिनय किया था। उन्होंने विभिन्न हिंदी फिल्मों और टेलीविजन शो में भी काम किया था।

टी20 विश्व कप की टीम में चुने जाने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लगी किसकी नजर? अब सैमसन-चहल हुए फ्लॉप

हैदराबाद। आईपीएल 2024 में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया। एक वक्त राजस्थान की टीम मजबूत स्थिति में थी, लेकिन डेथ ओवर में हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन ने राजस्थान के हाथों से जीत छीन ली। टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में राजस्थान के तीन खिलाड़ी हैं। इनमें यशस्वी जायसवाल के अलावा संजू सैमसन और युजवेंद्र चहल हैं।

हालांकि, इस मैच में यशस्वी को छोड़कर बाकी दोनों फ्लॉप साबित हुए। टीम चुने जाने के बाद से भारतीय खिलाड़ियों को किसी की नजर लग गई है। चुने गए खिलाड़ियों की ओर से लगातार खराब प्रदर्शन हो रहा है। इससे पहले टीम चुने जाने के बाद मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम से चुने गए खिलाड़ियों का भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। सैमसन खाता भी नहीं खोल सके 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा। भुवनेश्वर कुमार ने जोस बटलर को मार्को यानसेन के हाथों कैच कराया। वह खाता नहीं खोल सके। इसके बाद उम्मीद की गई शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन लंबी पारी खेलेंगे। हालांकि, पहले ही ओवर में भुवनेश्वर ने सैमसन को क्लीन बोल्ड किया। वह तीन गेंद खेले और कोई रन नहीं बना सके। एक रन पर राजस्थान की टीम ने दो विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, यशस्वी के 40 गेंद पर बनाए गए 67 रन और रियान पराग के 49 गेंद पर बनाए गए 77 रन ने राजस्थान को मुश्किल से निकाला। यशस्वी ने अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के लगाए थे। वहीं, रियान ने आठ चौके और चार छक्के लगाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम एक रन से हार गई। चहल काफी महंगे साबित हुए इससे पहले सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 201 रन बनाए थे। ट्रेविस हेड ने 44 गेंद में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली। वहीं, नीतीश रेड्डी ने 42 गेंद में तीन चौके और आठ छक्के की मदद से नाबाद 76 रन और हेनरिक क्लासेन ने 19 गेंद में तीन चौके तीन छक्के की मदद से नाबाद 42 रन बनाए। पिछले कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले युजवेंद्र चहल से उम्मीद की जा रही थी कि टी20 विश्व कप के लिए चुने जाने के बाद वह अपने चयन को साबित करेंगे। उनकी करीब एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। हालांकि, हुआ इसके उलट और चहल ने चार ओवर में बिना कोई विकेट लिए 62 रन खर्च कर दिए। उनका इकोनॉमी रेट 15.50 का रहा। रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल आवेश खान ने जरूर चार ओवर में 39 रन देकर दो विकेट लिए। यशस्वी ने जबरदस्त वापसी की इस सीजन चहल के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक 10 मैचों में 13 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की रेस में छठे नंबर पर हैं। उनका इकोनॉमी रेट 9.68 का रहा है। वहीं, सैमसन ने इस सीजन अब तक 10 पारियों में 64.17 की औसत और 159.09 के स्ट्राइक रेट से 385 रन बनाए हैं। ऑरेंज कैप की रेस में वह नौवें नंबर पर हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी नाबाद 82 रन की रही है। शुरुआती कुछ मैचों में विफल रहने के बाद यशस्वी ने टूर्नामेंट में जबरदस्त वापसी की और शतक लगाया। अब तक वह 10 पारियों में 35.11 की औसत और 157.21 के स्ट्राइक रेट से 316 रन बना दिए हैं। नाबाद 104 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। पांच जून को भारत का पहला मैच आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस सबसे फिसड्डी टीम साबित हुई है। ये दोनों टीमें अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। मुंबई नौवें और आरसीबी 10वें स्थान पर है। हालांकि, इसके बावजूद इन दोनों टीमों को मिलाकर छह खिलाड़ी टी20 विश्व कप की टीम इंडिया में शामिल किए गए। मुंबई के चार और बेंगलुरु के दो खिलाड़ी टीम इंडिया में हैं। राजस्थान, दिल्ली के तीन-तीन खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल किया गया। वहीं बेंगलुरु के अलावा चेन्नई के भी दो खिलाड़ी टीम में हैं। पंजाब किंग्स से एक खिलाड़ी अर्शदीप सिंह को टी20 विश्व कप के लिए चुना गया है। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से होने जा रही है। भारत अपना पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। नौ जून को भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा।

थॉमस कप और उबेर कप में भारत रहा खाली हाथ, महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी हारी

भारत अपने खिताब का बचाव करने में नाकाम रहा जब पुरुष टीम को गुरुवार को यहां थॉमस एवं उबेर कप बैडमिंटन फाइनल में चीन के खिलाफक्वार्टर फाइनल में 1-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि महिला टीम का अभियान भी जापान के खिलाफ0-3 की हार के साथ खत्म हो गया।

गत चौंपियन भारत अपने खिताब का बचाव करने में नाकाम रहा जब पुरुष टीम को गुरुवार को यहां थॉमस एवं उबेर कप बैडमिंटन फाइनल में चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 1-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि महिला टीम का अभियान भी जापान के खिलाफ0-3 की हार के साथ खत्म हो गया। विश्व पुरुष टीम चौंपियनशिप थॉमस कप में दो साल पहले भारत के लिए पहला खिताब जीतने के बाद देश के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए गुरुवार का दिन काफी मुश्किल रहा और सिर्फलक्ष्य सेन ही जीत दर्ज कर पाए। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय, तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा ध्रुव कपिला और साई प्रतीक की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। यह एशियाई खेल 2023 के टीम फाइनल की पुनरावृत्ति था जहां भारत को 2-3 की शिकस्त के साथ पहली बार रजत पदक मिला था। भारतीय टीम बुधवार को इंडोनेशिया के खिलाफ 1-4की शिकस्त के साथ अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही थी। चीन की टीम भारत के खिलाफबेहतर लय में नजर आई और उसने गत चौंपियन को कोई मौका नहीं दिया। भारत की ओर से सबसे पहले प्रणय उतरे जिन्हें कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यु की के खिलाफ 66 मिनट में 21-15 11-21 14-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी और चीन ने 1-0 की बढ़त बना ली। हार के बाद प्रणय ने कहा, ''मुझे नहीं पता लेकिन मुझे लगता है कि चीन को एक दिन का ब्रेक मिला था और वे (मुकाबले में) बहुत अधिक तरोताजा होकर आए थे। तीसरे गेम में यह बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है। आज दुर्भाग्यपूर्ण रहा।'' उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि हमारी रात बहुत लंबी थी और जब हम सोए तब तक 1.32 (रात के) हो चुके थे और मुझे लगता है कि ऊर्जा के स्तर को वापस नहीं पाया जा सकता।'' प्रणय ने कहा, ''पिछली रात (इंडोनेशिया से हार के बाद) हर कोई बहुत निराश था, लेकिन 13 से 14 घंटे से भी कम समय में घरेलू दर्शकों के सामने इतना बड़ा मैच खेलना मानसिक रूप से एक बड़ा काम है क्योंकि आप इंडोनेशिया जैसे बड़े प्रतिद्वंद्वी से हार गए।'' सात्विक और चिराग को लगातार दूसरे दिन शिकस्त झेलनी पड़ी। उन्हें लियांग वेई केंग और वैंग चौंग की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 15-21 21-11 12-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे चीन ने 0-2 की बढ़त बना ली। लक्ष्य ने इसके बाद ली शी फेंग को 13-21 21-8 21-14 से हराकर भारत को वापसी दिलाने का प्रयास किया। ध्रुव और साई हालांकि इसके बाद रेन शियांग यू और ही जी टिंग की दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ 10-21 10-21 से हार गए जिससे भारत की उम्मीद टूट गई। इससे पहले अष्मिता चालिहा ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन युवा और अनुभवहीन भारतीय महिला टीम को उबेर कप में जापान के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। पीवी सिंधू के बगैर खेल रही भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में कनाडा और सिंगापुर को हराकर नॉकआउट के लिये क्वालीफाई किया था लेकिन आखिरी लीग मैच में उसे चीन ने 5-0 से मात दी थी। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी चालिहा को 67 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी आया ओहोरी ने 21-10, 20-22, 21-15 से हराया। ईशारानी बरूआ को दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा ने 21-15, 21-12 से शिकस्त दी। वहीं राष्ट्रीय चौम्पियन प्रिया के और श्रुति मिश्रा को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा ने 21-8, 21-9 से हराया। भारत तीन बार 1957, 2014 और 2016 में उबेर कप सेमीफाइनल में पहुंचा है।

चार भारतीय एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चौंपियनशिप के सेमीफाइनल में

गुरुवार को भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चौंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई।

भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चौंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीत लिया जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फ्लसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते।

चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका, आईपीएल के बीच ये तीन खिलाड़ी लौटे अपने देश

सीएसके अपने स्टार गेंदबाज दीपक चाहर की चोट के कारण चिंतित है, इसी बीच उसके 3 विदेशी गेंदबाज भारत छोड़ अपने वतन लौट गए हैं। इनमें श्रीलंका के महेश तीक्षणा, मुस्तफिजुर रहमान और मथीशा पथीराना है। बता दें कि चेन्नई अपने विदेशी गेंदबाजों पर निर्भर है, जिस कारण इन तीनों ही स्टार गेंदबाजों का टीम में ना होना वाकई चिंता का विषय है।

चेन्नई सुपर किंग्स पंजाब किंग्स के हाथों हार के बाद मुश्किल में है। हालांकि, वह अभी भी टॉप 4 में है लेकिन उसे दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद कड़ी टक्कर दे सकती हैं। अब आईपीएल प्लेऑफ के लिहाज से सीएसके के लिए हर मैच अहम है और अन्य टीमों का प्रदर्शन भी उसकी स्थिति पर असर डालेगा। जैसे आज मुंबई जीती तो चेन्नई टॉप 4 से बाहर हो जाएगी। वहीं सीएसके अपने स्टार गेंदबाज दीपक चाहर की चोट के कारण चिंतित है, इसी बीच उसके 3 विदेशी गेंदबाज भारत छोड़ अपने वतन लौट गए हैं। इनमें श्रीलंका के महेश तीक्षणा, मुस्तफिजुर रहमान और मथीशा पथीराना है। बता दें कि चेन्नई अपने विदेशी गेंदबाजों पर निर्भर है, जिस कारण इन तीनों ही स्टार गेंदबाजों का टीम में ना होना वाकई चिंता का विषय है। बता दें कि, चेन्नई सुपर किंग्स के कोच फ्लेमिंग ने खुद इसकी जानकारी दी है। उन्होंने इस दौरान कहा कि, पथिराना और तीक्षणा अमेरिकी वीजा प्रायोजनों के लिए कोलंबो के लिए उड़ान भरेंगे और उम्मीद है कि वे धर्मशाला में शामिल होंगे। साथ ही उन्होंने दीपक चाहर की चोट को लेकर भी चिंता व्यक्त की।

SPORTS न्यूज़

रुतुराज गायकवाड़ ने विराट कोहली से छीनी ऑरेंज कैप, जसप्रीत बुमराह के सिर सजी पर्पल कैप

आईपीएल के सीजन 17 में ऑरेंज कैप अभी तक विराट कोहली के नाम थी लेकिन अब ये कैप चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सिर पर सज गई है। फिलहाल अभी तक ये है कि ये ऑरेंज कैप किसी भारतीय के सिर पर ही सजी है ना कि किसी विदेशी खिलाड़ी। वहीं पर्पल कैप अभी भी जसप्रीत बुमराह के पास है। उसे उनसे छीनने में हर कोई पीछे है। आईपीएल 2024 ऑरेंज कैप अब रुतुराज गायकवाड़ के सिर पर है। विराट कोहली लंबे समय से इस कैप को अपने सिर पर सजाए हुए थे, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ ने बुधवार को एक और अर्धशतकी जड़ा और वे इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली से आगे निकल गए हैं। विराट ने 500 रन बनाए हैं, जबकि रुतुराज ने 509 रन बना दिए हैं। ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर साई सुदर्शन हैं, जो गुजरात टाइटंस के लिए 10 मैचों में 418 रन बना चुके हैं। केएल राहुल 406 रनों के साथ चौथे पायदान पर हैं। वहीं, ऋषभ पंत ने अब तक दिल्ली कैपिटल्स के लिए 398 रन बनाए हैं।

खिलाड़ी	मैच	रन	औसत	स्ट्राइक रेट
रुतुराज गायकवाड़	10	509	63.62	146.69
विराट कोहली	10	500	71.43	147.49
साई सुदर्शन	10	418	46.44	135.71
केएल राहुल	10	406	40.60	142.96
ऋषभ पंत	11	398	44.22	158.57

आईपीएल 2024 की पर्पल कैप अभी भी जसप्रीत बुमराह के सिर पर सजी हुई है। उम्मीद की जा रही थी कि हर्षल पटेल या मुस्तफिजुर रहमान एक विकेट लेकर उनसे आगे निकल सकते हैं। लेकिन सीएसके वर्सेस पीबीकेएस मैच में ये खिलाड़ी खाली हाथ लौटे। ऐसे में बुमराह अभी भी नंबर वन गेंदबाज इस सीजन के हैं। बुमराह के बाद चेन्नई के मुस्तफिजुर रहमान और पंजाब किंग्स के पेसर हर्षल पटेल हैं, जो 14-14 विकेट ले चुके हैं। चौथे नंबर पर मथीशा पथिराना हैं, जो पंजाब के खिलाफ नहीं खेले। वे 13 विकेट 6 मैचों में झटक चुके हैं। इतने ही विकेट टैम् के पेसर टी नटराजन ने चटकाए हैं।

खिलाड़ी	मैच	विकेट	औसत
जसप्रीत बुमराह	10	14	18.29
मुस्तफिजुर रहमान	9	14	22.71
हर्षल पटेल	10	14	24.14
मथीशा पथिराना	6	13	13.00
टी नटराजन	7	13	19.38

आज रोहित शर्मा और अजीत अगरकर करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस, देंगे कई सवालों के जवाब

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान पहले ही हो चुका है। वहीं रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम में उपकप्तानी की कमान हार्दिक पंड्या को दी गई है। टीम के ऐलान से पहले रोहित शर्मा हेड कोच राहुल द्रविड़ और चीफसेलेक्टर अजीत अगरकर ने मीटिंग में सभी नामों पर चर्चा की थी। वहीं आज रोहित शर्मा और अजीत अगरकर मीडिया के सवालों के जवाब देंगे। बता दें किय ये प्रेस कॉन्फ्रेंस भारतीय समयानुसार दोपहर 3.45 पर होगी। वहीं इस प्रेस कॉन्फ्रेंसिंग का ब्रॉडकास्ट स्टार स्पोर्ट्स पर होगा। दरअसल, स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क टी20 वर्ल्ड कप का ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर है। लिहाजा, इस नेटवर्क पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों से टी20 वर्ल्ड कप को लेकर कई सवाल जवाब हो सकते हैं। बहरहाल, टी20 वर्ल्ड कप का आगाज 2 जून से होगा। वहीं इस टूर्नामेंट का फाइनल 29 जून को खेला जाएगा। वेस्टइंडीज के अलावा अमेरिका टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा। दरअसल, भारतीय टीम करीब 11 सालों से आईसीसी ट्रॉफी जीतने में फेल हुई है। जिसके बाद फैंस को उम्मीद है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ये ट्रॉफी जीतेगी।

ओस के कारण हमारे लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गयी

पंजाब किंग्स के खिलाफ 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से शिकस्त का सामना करने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा कि ओस के कारण बाद में बल्लेबाजी करना आसान हो गया था। गायकवाड़ की 48 गेंद में 62 रन की पारी के दम पर सीएसके ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 162 रन बनाये। पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर 10 मैचों में चौथी जीत दर्ज की। गायकवाड़ ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' हमने 50-60 रन कम बनाये थे। जब हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे तो पिच काफी चुनौतीपूर्ण थी लेकिन बाद में ओस के कारण चीजें मुश्किल हो गयी।'' उन्होंने कहा, '' ओस के कारण हमारे लिए परिस्थितियां काफी मुश्किल हो गयी। पिछले मैच में भी हम उस समय आश्चर्यचकित थे जब हमने बड़े अंतर से मैच जीता था। यह कुछ ऐसा है जो हमारे हाथ में नहीं है।'' गायकवाड़ ने कहा, ''हम पहले पारी में और अच्छी बल्लेबाजी कर सकते थे। पिछले दो मैचों में हमने 200-210 का स्कोर करने के लिए अच्छा प्रयास किया लेकिन इस पिच पर रन बनाना आसान नहीं था। इस पिच पर 180 रन तक पहुंचना भी कठिन था।

फिटनेस समस्याओं के कारण पाकिस्तान की वर्ल्ड कप टीम का घोषणा में देरी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन संबंधी समस्याओं के कारण अपनी विश्व कप टीम की घोषणा को मई के अंत तक टाल दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान 23 या 24 मई को अपनी टी20 विश्व कप टीम की घोषणा करेगा जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा प्रतिस्पर्धी टीमों के लिए विश्व कप तकनीकी समिति से अनुमति के बिना अपनी टीम में बदलाव करने के लिए निर्धारित समय सीमा भी है। प्रबंधन और चयनकर्ता मुहम्मद रिजवान, आजम खान, इरफान खान नियाजी और हारिस राउफ की मामूली चोटों से चिंतित हैं और आयरलैंड तथा इंग्लैंड में उनके प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। चयनकर्ता गुरुवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा करेंगे। टीम प्रबंधन और चयनकर्ता विश्व कप टीम की घोषणा करने से पहले चयनित खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन का आकलन करेंगे। अब तक भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने अपनी विश्व कप टीमों की घोषणा की है। सूत्र ने कहा, ''इससे (देरी से) कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि ये सभी देश 24 मई तक अपनी पूरी टीम बदल सकते हैं, उसके बाद तकनीकी समिति की मंजूरी से फिटनेस या चोट के आधार पर ही बदलाव की अनुमति दी जा सकती है।'' उन्होंने कहा, ''यही कारण है कि पीसीबी और चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड में पहले मैच के बाद तक रुकने का फैसला किया है।

पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच भिड़ंत, यहां देखें प्लेइंग इलेवन

आज का आईपीएल मैच चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जा रहा है। दोनों टीम चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में आमने-सामने हैं। पंजाब ने टॉस जीतकर गेदंबाजी चुनी है। वहीं पंजाब ने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है जबकि सीएसके ने पथिराना और देशपांडे के अनफिट होने के कारण शार्दुल ठाकुर और रिचर्ड ग्लीसन को टीम में शामिल किया है। बता दें कि, रिचर्ड ग्लीसन आईपीएल में अपना डेब्यू कर रहे हैं। वहीं चेन्नई और पंजाब के बीच मौजूदा सीजन में पहली बार भिडंत हो रही है। चेन्नई और पंजाब की टीम बुधवार को बुलंद हौसले के साथ मैदान में उतरी है। दोनों ही डीमें अपने आखिरी मैच में दमदार जीत हासिल करके आई हैं। चेन्नई ने जहां सनराइजर्स हैदराबाद को 78 रन से करारी शिकस्त दी वहीं पंजाब ने केकेआर को 8 विकेट से रौंदा। दोनों की प्लेइंग इलेवन इस प्रकार है पंजाब किंग्स- जॉनी बेयरस्टो, सैम करन (कप्तान), राइली रोसौव, शशांक सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), आशुतोष शर्मा, हरप्रीत बरार, हर्षल पटेल, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह। चेन्नई सुपर किंग्स- अजिंक्य रहाणे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेरिल मिशेल।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।